सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल -पेज: 7

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 205 | सोमवार 03 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर खाई में गिरा... दो की मौत, 16 गंभीर रूप से घायल

नैनीताल (एजेंसी)। उत्तराखंड के नैनीताल में टूरिस्टों से भरा टेम्पो ट्रैवलर 50 फीट गहरी खाई में गिर गया, इससे दो लोगों की मौत हो गई और 16 गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, ड्राइवर सहित 18 टूरिस्टों का दल बाबा नीब करौरी के कैंची धाम में दर्शन के बाद दिल्ली लौट रहा था। टेम्पो ट्रैवलर में एक ही परिवार के लोग सवार थे। वाहन ज्योलीकोट के मटियाली बैंड के पास पहुंचा, तब अचानक ड्राइवर का नियंत्रण वाहन से हट गया। वाहन करीब 50 फीट गहरी खाई में जा गिरा। घायलों के मुताबिक, टेंपो ट्रैवल का ड्राइवर नशे में था और उस गाड़ी चलाने से रोका भी था। लेकिन वह नहीं माना और गाड़ी भगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचने पर गौरव बंसल (26) और सोनू कुमार (32), निवासी दिल्ली, को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य 16 लोग, जिसमें कई महिलाएं व बच्चे शामिल हैं, घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। घायलों में अंशिका (21), सोनिया (32), सुशांत (8), दिशा (5), निकिता (20), श्वेता (25), पूर्वा (8 महीने), यशी (2), अजय (34), अनु, शिल्पी (28), हेमंत, श्रुति (28), वंश, विजय (30) निवासी बदरपुर, नई दिल्ली शामिल है।

नाबालिग छात्रा ने स्कूल बस चालक से की शादी, फिर दोनों ने खाया जहर

गोरखपुर (एजेंसी)। जिले के गुलरिहा क्षेत्र में 11वीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल के बस चालक से मंदिर में शादी कर ली, जिसके बाद पकड़े जाने के डर से दोनों ने ही जहर खाकर आत्महत्या की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, 23 वर्षीय चालक अभिषेक शर्मा उर्फ हैप्पी और छात्रा ने कीटनाशक खा लिया और अपनी कलाई काट ली थी। दोनों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां अभिषेक की हालत गंभीर बताई जा रही है जबकि लड़की खतरे से बाहर है। पुलिस ने बताया कि जहर खाने से पहले दोनों ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें कहा कि हम साथ नहीं रह सकते लेकिन साथ मरने से कोई नहीं रोक सकता। वीडियो अभिषेक के रिश्तेदारों को भेजा गया था, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। गुलरिहा थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि अब तक किसी परिवार ने औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है। पुलिस लड़की की उम्र का सत्यापन कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई इसी के बाद की जाएगी।

बेंगलुरु में बेकाबू एंबुलेंस की चपेट में आने से दंपति की मौत, कई घायल

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में गत रात एक तेज रफ्तार एंबुलेंस बेकाबू हो गई और उसने कई वाहनों को रौंद दिया, जिससे एक दंपति की मौके पर ही मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। हादसा रिचमंड सर्किल के पास शनिवार रात करीब 10 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एंबुलेंस तेज रफ्तार में पीछे से आ रही थी और अचानक बेकाबू होकर तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारते हुए पुलिस बूथ से जा टकराई। इसी दौरान एक स्कूटर पर सवार कपल इसकी चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय इस्माइल और उनकी पत्नी सामीन बानो के रूप में हुई है। हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें एंबुलेंस कई वाहनों को घसीटते हुए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। पलटने के बाद लोगों ने नीचे फंसी गाड़ियों को निकालने की कोशिश की। पुलिस ने बताया कि एंबुलेंस के बेकाबू होने के कारणों की जांच की जा रही है। प्राथमिक जांच में ब्रेक फेल या चालक द्वारा लापरवाही से वाहन चलाने की संभावना जताई गई है।

एसआईआर के डर से एक और व्यक्ति की मौत का टीएमसी ने किया दावा

कोलकत्ता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग के मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) द्वारा इसका जोरदार विरोध किया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया है कि पूर्वी बर्धमान जिले के जमालपुर के रहने वाले एक श्रमिक विमल संतरा की मौत इस डर से हुई कि 2002 की मतदाता सूची में नाम न होने के कारण उसे गैर–नागरिक घोषित कर दिया जाएगा। टीएमसी ने मजदूर की मौत के लिए भाजपा की डर और नफरत की राजनीति को जिम्मेदार ठहराया और पहले भी इसतरह के तीन अन्य आत्महत्याओं के लिए भाजपा पर निशाना साधा था। बात दें कि निर्वाचन आयोग 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों (जिसमें पश्चिम बंगाल भी शामिल है) में एसआईआर का दूसरा चरण 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक आयोजित करेगा। इसके बाद आयोग की ओर से मसौदा मतदाता सूची 9 दिसंबर को जारी होगी। वहीं अंतिम मतदाता सूची 7 फरवरी को प्रकाशित होगी। वहीं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के एसआईआर के विरोध में मंगलवार को कोलकाता में विशाल मार्च का नेतृत्व करेंगी। इस रैली में उनके भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी शामिल होने वाले है। मंगलवार को ये रैली बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के पास से शुरू होकर जोरासांको में रवींद्रनाथ टैगोर के निवास के पास समाप्त होगा। टीएमसी ने एसआईआर को खामोशी से की जाने वाली धांधली बताया है और सभी पात्र मतदाताओं को शामिल करने के लिए सब कुछ झोंक देने का संकल्प लिया है।

दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहे पर्यटकों की ट्रेवलर 60 फिट गहरी खाई में गिरी 16 घायल

देहरादून (एजेंसी)। नैनीताल के निकट शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। दिल्ली से कैंची धाम दर्शन कर लौट रहा पर्यटकों से भरा टेम्पो ट्रैवलर ज्योलिकोट के दोगांव इलाके में मटियाली बैंड के पास अचानक अनियंत्रित होकर 60 फुट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे में चालक सहित कुल 16 लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत चिंताजनक बनी हुई है। पुलिस और स्थानीय लोगों की त्वरित मदद से सभी घायलों को सकुशल निकालकर हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के बदरपुर इलाके से पर्यटकों का यह दल शनिवार सुबह बाबा नीब करोरी के प्रसिद्ध कैंची धाम मंदिर दर्शन के लिए निकला था। दर्शन पूरा कर रात में दिल्ली लौटते समय यह हादसा हुआ। रात का अंधेरा और पहाड़ी रास्ते की चुनौतियां हादसे को और भयावह बना रही थीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिद्वार (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार के द्वितीय दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल 1454 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। 62 शोधार्थियों को विद्या वारिधि और 3 शोधार्थियों को विद्या वाचस्पति की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 615 विद्यार्थियों को परास्नातक और 774 विद्यार्थियों को स्नातक की उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन की विविध वनस्पतियों पर आधारित दो पुस्तकें 'फ्लोरा ऑफ राष्ट्रपति भवन' एवं 'मेडिसिनल प्लांट्स ऑफ राष्ट्रपति भवन' की प्रतिलिपियाँ भी भेंट कीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने पदक प्राप्त विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के जीवन-निर्माण में योगदान देने वाले अध्यापकों और अभिभावकों का भी विशेष अभिनंदन किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस वर्ष उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों में 64 प्रतिशत बेटियाँ हैं तथा पदक प्राप्त करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में चार गुना अधिक है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि

विकसित भारत के उस स्वरूप का परिचायक है जिसमें महिलाएं नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पतंजलि विश्वविद्यालय महर्षि पतंजलि की तप, साधना और ज्ञान परंपरा को आधुनिक समाज के लिए सुलभ बना रहा है। विश्वविद्यालय योग, आयुर्वेद एवं प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से स्वस्थ भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय की भारत-केन्द्रित शिक्षा-दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि इसमें विश्व बंधुत्व की भावना, वैदिक ज्ञान एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का समन्वय और वैश्विक चुनौतियों के समाधान जैसी विशेषताएँ निहित हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से वसुधैव कुटुंबकम की भावना पर आधारित जीवन-मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान-प्राप्ति नहीं है, बल्कि सदाचार, तपस्या, सरलता और कर्तव्यनिष्ठा जैसे जीवन-मूल्यों को आत्मसात करना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों का न केवल आत्म-विकास बल्कि राष्ट्र-निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। गंगा तट पर स्थित हरिद्वार की सांस्कृतिक महत्ता पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि ये पवित्र स्थल ज्ञान और अध्यात्म का संगम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी स्वाध्याय और तपस्या जैसे आदर्शों का पालन करते हुए, स्वस्थ, संस्कारित और समरस समाज के निर्माण में योगदान देंगे। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि.) ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके देवभूमि आगमन को गर्व का क्षण बताया। राज्यपाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि योग, आयुर्वेद और अध्यात्म का प्राण-केंद्र है। इस पवित्र धरती से प्रवाहित योग और आयुर्वेद की परंपरा ने न केवल भारत को, बल्कि समूचे विश्व को स्वास्थ्य, संतुलन और सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तराखंड की यह ऋषि-परंपरा आज भी हमें यह प्रेरणा देती है कि ज्ञान का सर्वोच्च उद्देश्य केवल आत्म-विकास नहीं, बल्कि विश्व-कल्याण है। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे दीक्षांत समारोह के पश्चात आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने राष्ट्र, प्रदेश और समाज की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे तथा अपनी शिक्षा, प्रतिभा एवं प्रशिक्षण का उपयोग मानव-कल्याण के लिए करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने जो ज्ञान अर्जित किया, वह केवल हमारे लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण के लिए था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को स्वीकृति दिलाकर योग के विज्ञान पर किए गए हजारों वर्षों के कार्य को वैश्विक मंच प्रदान किया।

सीएम ममता बनर्जी ने अभिनेता शाहरुख खान को दी 60वें जन्मदिन की बधाई

कोलकाता (एजेंसी)। किंग ऑफ रोमांस कहे जाने वाले फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपना भाई मानती हैं। उन्होंने उनके 60वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए एक्स पर लिखा शाहरुख मेरे भाई जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! आप अपनी अद्भुत प्रतिभा और करिश्मा से भारतीय सिनेमा को यूं ही समृद्ध करते रहें'। बॉलीवुड के बादशाह, किंग ऑफ रोमांस शाहरुख खान आज 2 नवंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। ग्लोबल स्टार शाहरुख के बर्थडे के मौके पर देश और दुनिया से उनके फैंस उन पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं। आज सुबह से सोशल मीडिया पर शाहरुख खान को जन्मदिन की बधाई देने वालों का तांता लगा है। इस खास मौके पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी किंग ऑफ रोमांस को जन्मदिन की बधाई दी है। किंग खान आईपीएल में कोलकाता की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक हैं जिसकी वजह से उनका पश्चिम बंगाल और कोलकाता आना-जाना लगा रहता है। कोलकाता टीम के मालिक के तौर पर शाहरुख राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ काफी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं। वो एक्टर को अपना मुंह बोला भाई मानती हैं। ये पहला मौका नहीं है जब ममता ने शाहरुख के लिए कोई खास मेसेज शेयर किया है। कुछ समय पहले जब खबर आई थी कि शाहरुख खान अपनी फिल्म किंग की शूटिंग के दौरान घायल हो गए हैं और उन्हें डॉक्टर्स ने आराम करने की सलाह दी है। तो भी ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किंग खान की सलामती की दुआ मांगी थी। अब अगर शाहरुख खान की बात करें तो आज अपना 60वां बर्थडे मना रहे एक्टर जल्द ही किंग में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना के साथ नजर आएंगे। किंग सुहाना की पहली फिल्म है जिससे वो सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने जा रही हैं।

देश के अंदर तूफान मोन्था का असर खत्म... अब शुरू होगा कड़कड़ाती ठंड का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अंदर तूफान मोन्था का प्रभाव करीब समाप्त हो गया है, और अब इसके मार्ग में आने वाले राज्यों में बारिश नहीं होगी। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ी और मैदानी इलाकों में अगले 3-4 दिन में तापमान गिरेगा, जिससे ठंड बढ़ेगी। इतना ही नहीं राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हिमाचल में अभी भी बारिश का दौर जारी रह सकता है। जहां 4 और 5 नवंबर को हिमाचल में बर्फबारी के आसार हैं। 3 नवंबर की रात से वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा। वहीं अरब सागर में बना डिप्रेशन सिस्टम कमजोर हो गया है। 3 नवंबर से फिर बारिश का दौर शुरू होगा क्योंकि एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा।

मौसम विभाग के मुताबिक 3-4 नवंबर को जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर और जोधपुर संभाग के जिलों में मौसम बदलेगा। 3 नवंबर को 17 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं दिल्ली में प्रदूषण गंभीर राजधानी दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण गंभीर है। रविवार को एम्स और आसपास के इलाकों में एक्यूआई लेवल 420 तक पहुंच गया (जो 400 पार है)। दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के कारण बीएस-3 और उससे पुराने मानक वाले सभी ट्रांसपोर्ट व कमर्शियल डीजल चालित वाहनों को दिल्ली में एंट्री पर बैन लगा दिया गया है। अब केवल बीएस-4 व बीएस-6 मानक के कमर्शियल मालवाहक, सीएनजी, एलएनजी और ईवी वाहनें ही प्रवेश कर सकते है। वहीं गुजरात के सौराष्ट्र में बेमौसम बारिश के कारण जूनागढ़ में 2 से 6 नवंबर तक प्रस्तावित गिरनार की लीली परिक्रमा रद्द कर दी गई है।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके ! स्टालिन ने 49 दलों संग एसआईआर को बताया मताधिकार पर हमला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।

एमके स्टालिन ने आगे कहा, 'मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में - चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है।' स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को 'लोकतंत्र की रक्षा' के लिए धन्यवाद भी दिया। X पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में SIR पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।

डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को 'अप्रत्यक्ष रूप से' राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, 'हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।' बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें 'भाजपा का गठबंधन' बताया। उन्होंने कहा, 'हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।'

डीएमके प्रवक्ता टीकेएस एलंगोवन ने कहा, 'अदालत को अपना अंतिम आदेश जारी करने दीजिए। उसके बाद, वे एसआईआर पर आगे बढ़ सकते हैं। हम यही चाहते थे, और यही प्रस्ताव है। प्रस्ताव का उद्देश्य यह है कि चुनाव आयुक्त एसआईआर में अपनी मनमानी न करें...'

ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर, न वेतन दे रहे न भोजन, बस काम करा रहे

रांची (एजेंसी)। कई मजदूरों ने वीडियो संदेशों में कहा है कि उन्हें पिछले तीन से छह महीने से कोई वेतन नहीं मिला, जिसके कारण वे भूखे हैं और परिवार से संपर्क करने के लिए भी पैसे नहीं बचे हैं। एक मजदूर ने वीडियो में कहा, 'हम लोग भूखे हैं, बहुत परेशान हैं, किसी तरह भारत लौटना चाहते हैं।' ये झारखंड के 48 प्रवासी मजदूर ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं और गंभीर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें दिल्ली की एक निजी भर्ती कंपनी ने धोखे से विदेश भेजा और वहां बिना वेतन और भोजन के 12–12 घंटे काम करने को मजबूर किया जा रहा है।

फंसे हुए मजदूरों में ज्यादातर हजारीबाग, गिरिडीह और बोकारो जिलों के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें जाने से पहले सही कॉन्ट्रैक्ट और तय मजदूरी का वादा किया गया था, लेकिन ट्यूनीशिया पहुंचने के बाद न तो कॉन्ट्रैक्ट मिला और न वेतन। रिपोर्ट्स के मुताबिक मजदूरों ने जिस कंपनी पर आरोप लगाया है, उसका नाम प्रेम पावर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड बताया गया है। मजदूरों के अनुसार, कंपनी ने उन्हें हाई वोल्टेज पावर लाइन प्रोजेक्ट के लिए भर्ती किया था और बाद में शर्तें बदल दीं। उन्हें धमकी दी जा रही है कि अगर वे विरोध करेंगे या वापस लौटना चाहेंगे तो जेल भेज दिया जाएगा।

लाइसेंस नहीं होने के बावजूद एयर इंडिया के 2 पायलट्स ने उड़ाया विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर इंडिया में पायलटों की शेड्यूलिंग और रोस्टरिंग प्रणाली में गंभीर अनियमितताएं अब भी जारी हैं, जिस पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पांच महीने पहले कड़ी फटकार लगाई थी। ताजा घटनाओं में, एक को-पायलट और एक सीनियर कैप्टन को फ्लाइंग ड्यूटी से तत्काल हटा दिया गया है। कारण यह पता चला कि दोनों ने पिछले महीने बिना वैध योग्यता के एक-एक उड़ान संचालित की थी। डीजीसीए इन मामलों की गहन जांच कर रहा है और एयरलाइन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है।

पहले मामले में, एयरबस ए320 के को-पायलट ने अपना नवीनतम इंस्ट्रूमेंट रेटिंग आधारित बाय-एनुअल पायलट प्रोफिशिएंसी चेक (आई-पीपीसी) क्लियर नहीं किया था। नियमों के अनुसार, असफलता के बाद पायलट को अनिवार्य सुधारात्मक प्रशिक्षण (करेक्टिव ट्रेनिंग) पूरा करना पड़ता है, तभी रोस्टर पर वापसी संभव है। लेकिन इस को-पायलट ने बिना प्रशिक्षण के उड़ान भर ली, जो सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान दिया, फर्स्ट ऑफिसर का ट्रेनिंग चेक में असंतोषजनक प्रदर्शन पकड़ा गया। जैसे ही यह त्रुटि सामने आई, क्रू शेड्यूलर और पायलट को ऑफ-रोस्टर कर दिया गया। कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है और डीजीसीए को सूचित कर दिया गया है। यह घटना एयरलाइन की निगरानी प्रणाली पर सवाल उठाती है।

दूसरे मामले में, सीनियर कमांडर ने इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी (ईएलपी) लाइसेंस की वैधता समाप्त होने के बावजूद ए320 उड़ान का पायलट-इन-कमांड रहते हुए संचालन किया। ईएलपी पायलटों के लिए बुनियादी आवश्यकता है, जो अंतरराष्ट्रीय संचार सुनिश्चित करता है। एयरलाइन ने स्वीकार किया, सीनियर पायलट का एक्सपायर्ड ईएलपी के साथ उड़ान भरने का मामला सामने आया। तुरंत ऑफ-रोस्टर किया गया और जांच जारी है। डीजीसीए को रिपोर्ट सौंपी गई है।

सीनियर पायलटों की चिंता

सीनियर पायलटों का मानना है कि ये खामियां एयर इंडिया की ओवरसाइट में गंभीर कमी दर्शाती हैं, जहां केवल योग्य क्रू ही रोस्टर पर आने चाहिए। ऐसी त्रुटियां न केवल यात्री सुरक्षा को जोखिम में डालती हैं, बल्कि एयरलाइन की विश्वसनीयता पर भी असर डालती हैं। डीजीसीए की जांच से शेड्यूलिंग सिस्टम में सुधार की उम्मीद है, लेकिन पांच महीने बाद भी समस्या बने रहना चिंताजनक है। एयर इंडिया को अपनी प्रक्रियाओं को मजबूत करना होगा ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

भारत की ओर से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान को 16 टन से ज़्यादा दवाइयाँ और डायग्नोस्टिक किट भेजी हैं। ये दवाइयाँ और किट मुख्य रूप से वेक्टर जनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस से निपटने में मदद करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता देना और देश की रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाना है। तालिबान प्रवक्ता शराफत जमान ने इस सहायता की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह मदद अफगानिस्तान में स्वास्थ्य क्षेत्र को समर्थन देने और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने की भारत की निरंतर प्रतिबद्धता का हिस्सा है। उन्होंने भारत सरकार की समय पर और बहुमूल्य सहायता के लिए आभार व्यक्त किया, और इसे जन स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, ये दवाइयां और डायग्नोस्टिक किट सीधे तौर पर अफगानिस्तान के राष्ट्रीय मलेरिया और अन्य वेक्टर जनित रोग निवारण कार्यक्रम को सहायता प्रदान करेंगी। इन आपूर्तियों का उद्देश्य मलेरिया, डेंगू और लीशमैनियासिस जैसी बीमारियों से निपटने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाना है, जो अफगानिस्तान के कई क्षेत्रों में गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियां बनी हुई हैं।

द्विपक्षीय संबंध और हालिया मुलाकात

यह मेडिकल सहायता अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी के अक्टूबर में भारत दौरे के बाद प्रदान की गई है। 10 अक्टूबर को, मुत्ताकी ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। दोनों ने अफगानिस्तान के विकास, द्विपक्षीय व्यापार, क्षेत्रीय अखंडता, लोगों के बीच संबंधों और क्षमता निर्माण के लिए भारत के समर्थन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने अफगानिस्तान को पाँच एम्बुलेंस सौंपने की भी घोषणा की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी बताया था कि भारत ने भूकंप प्रभावित लोगों के लिए अफगानिस्तान को अतिरिक्त खाद्य सामग्री भी पहुंचाई है।

दिल्ली की जहरीली हवा ने ले ली 100 में से 15 लोगों की जान

–रिपोर्ट से हुआ खुलासा, जल्द सुधार नहीं हुआ तो बढ़ सकता है मौतों का आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मौत को लेकर हुए चौंकाने खुलासे ने सभी को हिलाकर रख दिया है। 2023 में शहर में हुई हर सातवीं मौत करीब 15फीसदी वायु प्रदूषण से जुड़ी थी। इसमें पीएम2.5 जैसे कणों ने 17,188 लोगों की जान ली। 2023 की एक रिपोर्ट खुलासा हुआ है कि सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर ने इसे जारी किया है। वहीं एक एनालिस्ट ने कहा कि दिल्ली में पीएम प्रदूषण से 9.4फीसदी डिसेबिलिटी एडजस्टेड लाइफ इयर्स प्रभावित हुए, जो देश में सबसे ज्यादा हैं। इससे 4.9 लाख स्वस्थ लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। यह आंकड़ा 2018 के 15,786 मौतों से बढ़कर 17,188 हो गया है। दिल्ली में सबसे ज्यादा मौतों का कारण प्रदूषित हवा है। अन्य प्रमुख जोखिम कारकों में हाई सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर है, जिससे 14,874 मौतें यानी 12.5फीसदी होती है। हाई फास्टिंग प्लाज्मा ग्लूकोज यानी डायबिटीज से 10,653 यानी 9फीसदी मौतें हो रही हैं। वहीं, हाई कोलेस्ट्रॉल से 7267 यानी 6फीसदी मौतें और हाई बॉडी मास इंडेक्स से 6,698 यानी 5.6फीसदी मौतें हो रही हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषण से हार्ट की बीमारी, स्ट्रोक, फेफड़ों के कैंसर, क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज और सांस लेने के अंगो के नीचले भाग में संक्रमण लगातार बढ़ रही हैं। मनोज कुमार ने चेतावनी दी कि, 'यह सिर्फ पर्यावरण मुद्दा नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। प्रदूषण कम न होने पर श्वसन रोग, हृदय रोग और कैंसर से मौतें और बढ़ेंगी।' रिपोर्ट में कहा गया कि प्रभावी प्रदूषण नियंत्रण से लाखों लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है।

एम्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. हर्षल रमेश सल्वे ने कहा कि प्रदूषण से अतिरिक्त मौतें हो रही हैं, लेकिन संख्या पर बहस हो सकती है। ये अनुमान गणितीय मॉडल पर आधारित हैं। भारतीय आबादी के लिए एक्सपोजर रिस्पॉन्स फंक्शन परफेक्ट नहीं है। फिर भी बढ़ती मौतें मल्टी-सेक्टरल एक्शन की मांग करती हैं। इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल्स के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. निखिल मोदी ने 15 फीसदी आंकड़े को विश्वसनीय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण लंबे समय तक बीमारियों को बिगाड़ता है, जो मौत का कारण बनती हैं। हाल के वर्षों में यह बढ़ा है और जल्द सुधार न हुआ तो और मौतें हो सकती हैं।

पुल्मोनोलॉजिस्ट ने स्पष्ट किया कि 15 फीसदी का मतलब तत्काल मौत नहीं, बल्कि क्रॉनिक स्ट्रेसर है जो पीएम2.5 से सूजन, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और फेफड़े-हृदय की क्षति पहुंचाता है। ये अनुमान एपिडेमियोलॉजिकल मॉडल से आते हैं, जो दिल्ली के हाई पॉल्यूशन को देखते हुए सही लगते हैं। हालांकि यह सच है कि मौत की सटीक संख्याएं तय करना जटिल है क्योंकि मृत्यु प्रमाण-पत्रों पर मौतों को 'प्रदूषण के कारण' दर्ज नहीं किया जाता है। ये अनुमान जनसंख्या जोखिम डेटा, रोग की वजह और मृत्यु दर के रुझानों का उपयोग करके मज़बूत विज्ञान मॉडल से हासिल किए गए हैं।

संपादकीय

जहरीली हवा में घुटती सांसें

दशकों से मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोग तथा संगठन, जिस प्रदूषण संकट के प्रति चेताते रहे हैं, उसके घातक परिणाम अब साफ सामने नजर आने लगे हैं। विडंबना यह है कि देश की राजधानी व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ही नहीं, अब देश के तमाम बड़े-छोटे शहरों से भी जानलेवा प्रदूषण की खबरें आ रही हैं। इस घातक व मारक संकट की पुष्टि बहुचर्चित मेडिकल जर्नल लैंसेट की हालिया रिपोर्ट करती है। रिपोर्ट दावा करती है कि देश की हवा में 2010 की तुलना में साल 2022 तक प्रदूषणवाहक पीएम 2.5 कणों की मात्रा में 38 फीसदी तक का बढ़ावा हुआ है। जिसका घातक प्रभाव यह है कि करीब सत्रह लाख लोग असमय काल-कवलित हो चले हैं। इससे होने वाला आर्थिक नुकसान अलग है। यह कहना कठिन है कि अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के आंकड़े कितने विश्वसनीय हैं। बहुत संभव है कि सरकारें इन आंकड़ों पर सहमति न जताएं, लेकिन दीपावली के बाद दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र समेत देश के विभिन्न शहरों में प्रदूषण जिस घातक स्तर तक पहुंचा है, वह हालात के गंभीर होने की ओर इशारा तो करता ही है। एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने दिल्ली को दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर का खिताब भी दिया है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अस्पतालों में प्रदूषणजनित रोगों का उपचार कराने वाले लोगों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। जीवन के संघर्ष में रोजी-रोटी की कवायद में जुटे लोगों को यह अहसास भी नहीं होता है कि वे दिन में कितनी जहरीली हवा निगल रहे हैं। हमारे शहर केंद्रित विकास की विसंगितयां भी शहरों में प्रदूषण का दायरा बढ़ा रही हैं। शहरों में उगते कंक्रीट के जंगल न केवल हवा के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर रहे हैं बल्कि वाहनों के सैलाब को भी बढ़ावा दे रहे हैं। विडंबना यह है कि इसके बावजूद राजनीतिक दलों व सरकारों में वह इच्छाशक्ति नजर नहीं आती, जो इस संकट के कारगर समाधान की राह दिखाती हो। निश्चित तौर पर प्रदूषण संकट की यह जानलेवा स्थिति हमें शर्मसार करने वाली है। यह हमारी सामूहिक विफलता की तसवीर भी उकेरती है। सर्दियों का मौसम आते ही दिल्ली व निकटवर्ती शहरों में जो प्रदूषण का बड़ा संकट दिखायी देता है, आखिर उसे साल भर सतर्कता के साथ क्यों नहीं देखा जाता। देश में आर्थिक असमानता व गरीबी के चलते लाखों लोग व बच्चे उन अस्वस्थकारी परिस्थितियों में काम करने को बाध्य हैं, जो कालांतर जानलेवा रोगों का सबब बनती हैं। देश में करोड़ों बाल श्रमिक पटाखा, कालीन और अन्य सांस के रोगों का संकट बढ़ाने वाले उद्योगों में काम कर रहे हैं। व्यवस्था का भ्रष्टाचार नियामक एजेंसियों को हिलने तक नहीं देता।

चिंतन-मनन

कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें..

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

बिहार की रक्तरंजित राजनीति व जातीय समीकरणों का नया गणित

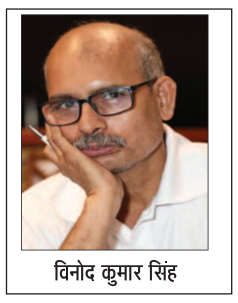
विनोद कुमार सिंह

बिहार विधान सभा चुनाव 25 की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है। बिहार विधान सभा के इस चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है ।

बिहार विधानसभा चुनाव 25 के प्रथम चरण से पहले ही मोकामा में हुई जन सुराज समर्थक नेता दुलार चंद यादव की हत्या ने राज्य की राजनीति में सनसनी मचा दी है।यह घटना न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों पर गहरी चोट है,बल्कि यह बिहार की उस पुरानी सियासी संस्कृति को भी उजागर करती है,जहाँ बाहुबल, जाति और सत्ता का संगम अक्सर खून-खराबे का सबब बनता है।हत्या से उपजा सियासी तूफान मोकामा विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज पार्टी के कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता दुलार चंद यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई।उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि जदयू प्रत्याशी और बाहुबली नेता अनंत सिंह के समर्थकों ने पहले लाठी-डंडों से हमला किया और फिर यादव को कार से कुचल दिया।वहीं अनंत सिंह ने पलटवार करते हुए कहा कि जन सुराज समर्थकों ने उनके काफिले पर पथराव किया,जिसमें उनके कई समर्थक घायल हुए औरअफरातफरी में किसी ने गोली चला दी।इस घटना ने मोकामा की राजनीति को आग में झोंक दिया है।तेजस्वी यादव,पप्पू यादव और कई अन्य विपक्षी नेताओं ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।पप्पू यादव ने कहा,'हर बड़ी घटना में अनंत सिंह का नाम क्यों आता है?' यह बयान अपने आप में बहुत कुछ कह जाता है।दुलारचंद यादव कभी लालू प्रसाद यादव के बेहद करीबी माने जाते थे। टाल क्षेत्र में उनका वर्चस्व रहा और वे 1990 के दशक में मोकामा से चुनाव भी लड़ चुके थे।उनका नाम राजनीति के साथ-साथ अपराध की दुनिया से भी जुड़ा रहा।हाल के वर्षों में वे जनसुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी उर्फ लल्लू मुखिया के समर्थक बने और खुलेआम अनंत सिंह के खिलाफ बयान देने लगे।यही विरोध अबउनके जीवन का अंत साबित हुआ।बिहार विधान सभा चुनाव में मोकामा : -सर्व विदित रहे कि बिहार में बाहुबल और राजनीति की प्रयोगशाला पटना से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित मोकामा है । यहाँ की विधानसभा क्षेत्र बिहार की राजनीति का प्रतीक-क्षेत्र बन चुका है ।यहाँ जाति,बाहुबल और जनाधार का अनोखा समीकरण है।1951 में गठित यह विधानसभा क्षेत्र मुंगेर लोकसभा सीट के अंतर्गत आता है।यहाँ का इतिहास बताता है कि 1990 के दशक से बाहुबली नेताओं का बोलबाला रहा है।पहले 'बड़े सरकार' दिलीप सिंह,फिर 'छोटे सरकार'अनंत सिंह।अनंत सिंह ने 2005 से 2020 तक पाँच बार इस सीट पर विजय हासिल की-चाहे वे जदयू,राजद या निर्दलीय उम्मीदवार रहे हों।2020 में जेल से चुनाव जीतने के बाद भी उनका प्रभाव अडिग रहा,और 2022 में पत्नी नीलम देवी को उपचुनाव में विजेता बनाकर उन्होंने अपना किला बचाए रखा।विधान सभा चुनाव जीत की कुंजी मोकामा की सामाजिक संरचना बिहार की सियासत का सूक्ष्म प्रतिबिंब है।भूमिहार समुदाय यहाँ निर्णायक भूमिका में है, परंतु यादव, कुर्मी, धानुक, पासवान और अति पिछड़ी जातियाँ भी परिणाम तय करती हैं।दुलारचंद यादव की हत्या से यादव और ओबीसी वर्ग में गुस्सा देखा जा रहा है,जो जनसुराज और राजद के पक्ष में लामबंदी की भूमिका निभा सकता हैवहीं,भूमिहार मतदाता परंपरागत रूप से अनंत सिंह के साथ रहे हैं,लेकिन इस घटना ने उनके बीच भी असहजता पैदा की है।यदि यह असंतोष जदयू के कोर वोट बैंक में सेंध लगाता है,तो मोकामा का 'अभेद्य किला' दरक सकता है।इसका राजनीतिक प्रभाव और संभावित परिणाम -1.जनसुराज पार्टी के लिए सहानुभूति लहर-हत्या ने पीयूष प्रियदर्शी के लिए सहानुभूति की जमीन तैयार कर दी है।

2.अनंत सिंह की छवि पर आघात - बाहुबली की पहचान अब उनके लिए शक्ति नहीं,बोझ बन सकती है।

3.राजद और कांग्रेस के लिए अवसर -यादव और अति पिछड़े मतदाताओं के एकजुट होने से महागठबंधन को अप्रत्यक्ष लाभ मिल सकता है।

4.एनडीए की रणनीति पर दबाव – जदयू और बीजेपी के लिए यह सीट अब 'सम्मानजनक हार' से बचाने की चुनौती बन गई है।

बिहार विधान सभा चुनाव की यह रक्तरंजित राजनीति राजनीतिज्ञ पंडितो का मानना है कि यह घटना भारतीय लोकतंत्र के लिए खतरें की घंटी है।बिहार के इस विधान सभा चुनाव ने एक बार फिर साबित कर रहा है कि यहाँ लोकतंत्र अब भी जातीय निष्ठा और हथियारों के साए में साँस लेता है।दुलारचंद यादव की हत्या सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस लोकतांत्रिक चेतना की हत्या है जो बिहार को बदलाव की राह पर ले जाने की कोशिश कर रही थी।मोकामा का ऐतिहासिक गौरव और आज का विरोधाभास-1908 में यहीं मोकामा घाट स्टेशन पर क्रांतिकारी प्रफुल्ल चाकी ने ब्रिटिश मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड की हत्या के प्रयास के बाद आत्मबलिदान दिया था।आज वही भूमि राजनीतिक हिंसा और बाहुबलीकरण का प्रतीक बन चुकी है-यह बिहार की विडंबना है कि जहाँ कभी क्रांति के लिए गोली चली थी,अब सत्ता के लिए चलती है।दुलारचंद यादव हत्याकांड ने बिहार के पहले चरण के चुनाव को एक भावनात्मक मोड़ दे दिया है।यदि यह मामलाजनमानस में अनंत सिंह के खिलाफ लहर बनाता है,तो यह मोकामा ही नहीं,आस-पास की सीटों पर भी असर डाल सकता है।दूसरी ओर,यदि एनडीए इसे राजनीतिक षड्यंत्र के रूप में पेश कर पाने में सफल रहा,तो परिणाम अप्रत्याशित हो सकते हैं।लेकिन इतना तय है कि मोकामा की यह रक्तरंजित घटना 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को जातीय और नैतिक दोनों ही दृष्टियों से निर्णायक मोड़ पर पहुँचा चुकी है। मूल प्रश्न यह नहीं कि किसने गोली चलाई बल्कि यह कि बिहार में लोकतंत्र कब तक बंदूक की नली से निकलेगा।जो आगामी वर्ष होने वाले पश्चिमी बंगाल,उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में होने विधान सभा चुनावों व भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, क्षेत्रवाद ' लिंग भेद भाव के पड़नें वाले प्रभाव भारत की राजनीति के लिए खतरें की घंटी है।

काला शनिवार : श्मशानघाट बन गया मंदिर,भगदड़ से मौतों का जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं लाशों के अंबार लगते जा रहे हैं हर माह ऐसे हादसे हो रहे हैं’ सितम्बर में हुई घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की एक नवंबर 2025 को आंध्रप्रदेश में फिर घटना हो गईं’ वेंकटेशवर स्वामी मंदिर में रेलिंग टूटने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए मंदिर पल भर में श्मशानघाट बन गया भगदड़ मचने से नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं यह दुःखद हादसा शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब हुआ ’ऐसी ही भगदड़ की घटना बीते 27 सितम्बर को तमिलनाडु के करूर में तमिल एक्टर विजय की रैली में भगदड मचने से 39 लोगों की मौत हो गईं थी और 50 लोग घायल हो गए थे ’ 17 महिलाओं की मौत हो गई थी ’मरने वालों में बच्चे भी शामिल थे ’ करूर के जिस मैदान में यह हादसा हुआ था वहाँ केवल.10000 लोगों की क्षमता थी ’लेकिन यहां लगभग 30000 से अधिक लोग मौजूद थे’ भगदड़ मचने से ज्यादातर मोटे हुई हैं मौत का कारण दम घुटना था ’ शनिवार को चारों तरफ लाशों का अंबार लग गया’ पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था ’ सरकार ने मृतकों के लिए मुआवजे का ऐलान कर दिया है’ गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धांलुओं की मौत हो गईं थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे ’ मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ था ’ मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था ’यहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी ’ 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गईं थी और काफी लोग घायल हुए थे ’ 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गईं थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं ’ 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गईं थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे ’ मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे ’ भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं ’ कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गईं ’ रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी ’ देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ’ अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ’ रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ’ ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी ’कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ’ 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे ’2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरू के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया।ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो.रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें। वक़्त अभी संभलने का है’

घोषणा-पत्रः लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं।

लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता।

यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे।

घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने ह्यसंकल्प पत्रह्ण में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने ह्यतेजस्वी प्रणह्ण में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे।

इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके।

ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए। निश्चित रूप से चुनावी घोषणा-पत्र मतदाताओं के लिए निर्णय लेते समय राजनीतिक दलों के शासन के एजेंडे को उनके विचारों को मापने का एक सशक्त माध्यम है। यह भी कहा जा सकता है कि मतदान लेन-देन के जैसा है। एक बार जब चुनावी वादों पर वोट दिए जाते हैं तो यकीनन इसे एक कानूनी अनुबंध माना जाना चाहिए। जब कोई पार्टी चुनाव जीत कर सत्ता में आती है तो सवाल उठता है कि क्या वह घोषणा-पत्र जो एक अनुबंध का रूप ले चुका है, उसे लागू होना चाहिए या नहीं? जिस सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के तहत सरकारें चुनी जाती हैं, क्या किए गए वादों को पूरा करने के संदर्भ में उनकी जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? चुनाव आयोग को भी इस बारे में नए सिरे से विचार करना चाहिए, ताकि इसका कुछ ठोस समाधान किया जा सके। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ में जनता को प्रभावित करने का सबसे सशक्त माध्यम हैं, परंतु जब तक वे केवल वादों की झड़ी बने रहेंगे और उनके पालन की कोई बाध्यता नहीं होगी, तब तक यह लोकतंत्र की सार्थकता को अधूरा रखेंगे। बिहार के दोनों गठबंधनों के घोषणा पत्र लोकतांत्रिक उत्सव की चमक तो बढ़ाते हैं, पर उनका सच समय के साथ ही सामने आएगा कि वे जनता की उम्मीदों को पूरा करते हैं या सिर्फ चुनावी छलावे साबित होते है।

तिगरी गंगा धाम मेले में पंचायती राज विभाग की मुस्तैदी: साफ-सफाई पर खास जोर

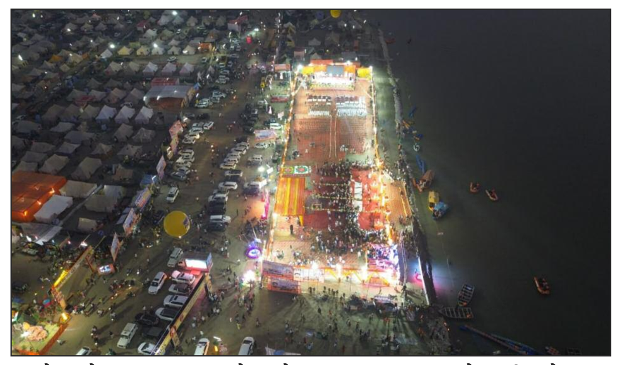

अमरोहा (सब का सपना):– जिले में स्थित ऐतिहासिक तिगरी गंगा धाम में कार्तिक माह के पवित्र गंगा मेले का आयोजन जोरों पर है। देवोत्थान एकादशी पर गंगा पूजन और आस्था की डुबकी लगाने उमड़े लाखों श्रद्धालुओं के बीच पंचायती राज विभाग ने साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम किए हैं। जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया के नेतृत्व में मेले को स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष टीम तैनात की गई है। मेले को 22 सेक्टरों

में बांटा गया है, जहां सफाई कर्मचारियों की दो शिफ्टों–दिन और रात–में ड्यूटी लगाई गई है। ये कर्मचारी घाटों, रास्तों, पार्किंग और तंबू क्षेत्रों में निरंतर सफाई कार्य कर रहे हैं। डीपीआरओ पारुल सिसोदिया ने स्वयं देवोत्थान एकादशी पर विभिन्न सेक्टरों का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान पूर्ण सावधानी बरतने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही, गंगा घाटों पर प्लास्टिक, पूजन सामग्री और अन्य कचरे को तत्काल हटाने को कहा।पारुल सिसोदिया ने कहा, "मेला क्षेत्र में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा और गंगा मैया की पवित्रता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही सामने आई, तो उसके विरुद्ध तुरंत कार्रवाई होगी।" निरीक्षण के दौरान उन्होंने डस्टबिन की संख्या बढ़ाने, मोबाइल टॉयलेट की सफाई और पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की।यह मेला 1 नवंबर से शुरू होकर 6 नवंबर तक चलेगा, जिसमें मुख्य स्नान कार्तिक पूर्णिमा (5 नवंबर) को होगा। प्रशासन के अनुमान से 25-30 लाख श्रद्धालु पहुंचेंगे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी मेले की तैयारियों का हवाई सर्वेक्षण कर स्वच्छता पर बल दिया था। पंचायती राज विभाग की यह पहल पिछले वर्षों की गंदगी की शिकायतों को दूर करने में कारगर साबित हो रही है। श्रद्धालु स्वच्छ घाटों पर गंगा स्नान कर पुण्य लाभ ले रहे हैं और विभाग की मुस्तैदी की सराहना कर रहे हैं।

गाली-गलौज और मारपीट के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):– पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद सम्भल में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना रायसत्ती पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना रायसत्ती क्षेत्र की निवासी राधा पत्नी अनिल कुमार (निवासी मवई ठाकरान) ने तहरीरी सूचना दी थी कि कुछ अभियुक्तों ने उनसे गाली-गलौज की और उनके पति द्वारा विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में थाना रायसत्ती पर सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस के अनुसार 2 नवंबर को थाना रायसत्ती पुलिस टीम ने मुकदमे से संबंधित मुख्य अभियुक्त पवन पुत्र रतिभान सिंह (निवासी ग्राम मवई ठाकरान, थाना रायसत्ती, जनपद सम्भल) को प्राइमरी स्कूल मवई ठाकुरान की दीवार के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। इस तरह की घटनाओं पर सख्ती से निपटने का निर्देश सभी थानों को दिया गया है।

तिगरी गंगा मेले में मंडलायुक्त ने डीआईजी, डीएम एसपी समेत सभी ने कृषि प्रदर्शनी का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):– जिले के तिगरी गंगा मेले में मंडलायुक्त ने डीआईजी, डीएम एसपी समेत सभी ने कृषि प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कृषि विभाग, उद्यान विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं अन्य शासकीय संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इन स्टालों पर आधुनिक कृषि उपकरणों, नवीनतम तकनीकों, जैविक खेती, ड्रिप सिंचाई, फसलों की उत्पादकता बढ़ाने के उपायों तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषि बीमा योजना, पीएम किसान ड्रोन योजना आदि से संबंधित जानकारी दी जा रही थी। मंडलायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले में आए किसानों को नई तकनीकों की व्यवहारिक जानकारी सरल भाषा में उपलब्ध कराई जाए, ताकि अधिक से अधिक किसान इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से संवाद करते हुए नवीन प्रयोगों एवं तकनीकी नवाचारों की सराहना की और कहा कि ह्लकृषि प्रदर्शनी न केवल किसानों के लिए सीखने का मंच है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पुलिस उपमहानिरीक्षक मुनिराज ने मेला क्षेत्र की समग्र सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुगमता सुनिश्चित करने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए समुचित प्रबंधों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अमरोहा पुलिस द्वारा अपनाई गई सुरक्षा रणनीति और सकुर्लेशन प्लान अनुकरणीय हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने प्रदर्शनी में भाग ले रहे विभागीय प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि ह्लकृषि प्रदर्शनी किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होती है और किसान नई दिशा प्राप्त करते हैं।ह्व उन्होंने किसानों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने की अपील की। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने बताया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सीसीटीवी कंट्रोल रूम, ड्रोन निगरानी, गंगा घाटों पर जल पुलिस, खोया-पाया केंद्र, ट्रैफिक कंट्रोल पोस्ट एवं महिला हेल्प डेस्क जैसी व्यवस्थाएं लगातार प्रभावी रूप से संचालित हैं। उन्होंने कहा कि मेला सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो, इसके लिए पुलिस सतर्कता के साथ ड्यूटी पर तैनात है। निरीक्षण के उपरांत अधिकारियों ने मेला क्षेत्र का भ्रमण कर साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि मेला में आने वाले श्रद्धालुओं और किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राजकीय ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा गंगा मेला, तम्बूओं की नगरी में दूसरे दिन आयोजित हुई बालक एवं बालिका वालीबॉल प्रतियोगिता

अमरोहा (सब का सपना):– जिले के जिला खेल कार्यालय अमरोहा में आयोजित चार दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता में आज दूसरे दिन आज खुली बालक एवं बालिका वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन अस्थाई स्पोर्ट्स स्टेडियम निकट कृषि प्रदर्शनी एवं जिला स्काउट गाइड गाइड शिविर राजकीय गंगा मेला तिगरी धाम में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह ने किया। बालक वर्ग वालीबॉल प्रतियोगिता में जनपद अमरोहा के विभिन्न ग्रामीण अंचलों और वालीबॉल क्लबों की 08 टीमों जबकि बालिका वर्ग में 07 टीमों ने प्रतिभाग किया। नाक आउट आधार पर खेली गई इस प्रतियोगिता में प्रथम सेमीफाइनल संविलयन विद्यालय मल्हूपुरा और और स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा टीम "बी" के मध्य खेला गया। जिसमें गजरौला की टीम ने 32 -23 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर अमरोहा और माली खेड़ा स्पोर्ट्स स्टेडियम अमरोहा के बीच हुआ जिसमें नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर अमरोहा की टीम ने संघर्ष पूर्ण मुकाबले में स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा को 25-23 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला संविलयन विद्यालय मल्हूपुरा और माली नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर अमरोहा के मध्य खेला गया जिसमें संविलयन विद्यालय मल्हूपुरा ने माली खेड़ा अमरोहा को कड़े मुकाबले में 21-19 से हराकर के प्रतियोगिता की विजेता टीम बनी। बालिका वर्ग का पहला सेमीफाइनल मैच गजरौला और रजबपुर के बीच हुआ जिसमें गजरौला ने आसानी से 21-08 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरा सेमीफाइनल अमरोहा और स्टेडियम के बीच खेला गया। जिसमें अमरोहा ने स्टेडियम के कड़े मुकाबले में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। बालक वर्ग की वालीबॉल प्रतियोगिता फाइनल में असमोली और चोटीपुरा के बीच खेला गया जिसमें असमोली ने संघर्षपूर्ण मुकाबले में चोटीपुरा को 25 -23 से हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। विजेता - असमोली, उपविजेता - चोटीपुरा, विजेता - संविलयन विद्यालय मल्हूपुरा, उपविजेता - नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर अमरोहा, प्रतियोगिता के विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण उप जिलाधिकारी मसीह नज्म, कृषि उप निदेशक डॉ. राम प्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज तोमर, अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। सभी प्रतिभागियों और सेमीफाइनल में न पहुंचे वाली टीमों को संतूर कम्पनी की ओर से संतूर किट साबुन और हैंडवाश देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में मुख्य निर्णायक डॉ संजीव कुमार चौहान, एम्पायर पुरजीत सिंह, राजकुमार सिंह, राजदीप सिंह, देवेन्द्र सिंह, सचिन पाल, रनदीप सिंह, अमित कुमार, आंचल , साक्षी तोमर, लक्ष्य त्यागी रहे। उद्घाटन समारोह कार्यक्रम और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का संचालन डॉ 0 संजीव कुमार चौहान ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्वनी कुमार जी, प्रधानाचार्य देवेन्द्र सिंह चौहान, अजय चौहान और, सत्यवीर सिंह त्यागी, रिंकू चौहान, प्रतियोगिता के अन्त में जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकान्त त्यागी ने अतिथियों, निर्णायक मण्डल, संतूर कम्पनी और खिलाड़ियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न 3 विवाद सुलझे, 3 परिवारों को मिलाया

चंदौसी/संभल(सब का सपना):– पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिण अनुकृति शर्मा और क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक की देखरेख परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों द्वारा कुल 11 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 3 पत्रावलियों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। साथ ही, 3 परिवारों को पुनः एकजुट करने में सफलता हासिल की गई, जिससे पारिवारिक सौहार्द बहाल हुआ। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, सब इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि पीसी, सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यातायात पुलिस ने राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी दी जानकारियाँ

चंदौसी/संभल(सब का सपना):– पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार एवं प्रभारी यातायात के नेतृत्व में यातायात माह नवंबर 2025 के अवसर पर कस्बा चंदौसी में यातायात पुलिस द्वारा एक व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम ने राहगीरों और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से जुड़ी आवश्यक जानकारियाँ दीं। लोगों को यह

समझाया गया कि थोड़ी सी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए यातायात नियमों का पालन करना न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि जीवन की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी भी है। इस मौके पर यातायात पुलिस ने लोगों को हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित प्रयोग करने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, नशे की हालत में वाहन न चलाने, तथा मोबाइल फोन का प्रयोग वाहन चलाते समय न करने की सख्त सलाह दी। पैदल यात्रियों को सड़क पार करते समय जेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक संकेतों और निर्धारित मार्गों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही पंपलेट वितरित कर यह संदेश दिया गया। सावधानी ही सुरक्षा है, यातायात ही अनुशासन का प्रतीक है। रफ्तार नहीं, जिम्मेदारी बने आपकी पहचान।ार्यक्रम के अंत में यातायात पुलिस ने आमजन से आह्वान किया कि हम सब मिलकर ऐसा माहौल बनाएं जहाँ हर सड़क पर अनुशासन हो, हर सफर सुरक्षित हो और हर घर मुस्कुराता रहे।ह्व

सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):– जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज, में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कालेज की प्रधानाचार्या चारू शर्मा एवं शिक्षिकाओं द्वारा लौह पुरुष सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को राष्ट्र की एकता, अखण्डता और मजबूत भारत के निर्माण में सरदार पटेल के अद्वितीय योगदान के बारे में अवगत कराया गया। इस जयंती समारोह के अन्तर्गत विद्यालय स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया – जिनमें निबंध लेखन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा रंगोली प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। छात्राओं ने सरदार पटेल के जीवन-

वृत्त, स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका, रियासतों के विलय में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका, भारत को एक सूत्र में पिरोने के उनके उत्कृष्ट नेतृत्व तथा 'एक भारत झ श्रेष्ठ भारत' की भावना पर आधारित बेहद प्रभावशाली अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत कीं। रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं ने राष्ट्रीय एकता, सरदार पटेल की प्रेरणादायी व्यक्तित्व झलक, लौह पुरुष की प्रतिमा तथा राष्ट्रीय ध्वज आदि विषयों पर अपनी कला का प्रदर्शन किया। निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं के तर्क, शब्द चयन, प्रस्तुतीकरण एवं ऐतिहासिक तथ्यों की सटीकता सराहनीय रही। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय आई छात्राओं को प्रधानाचार्या ने प्रमाण पत्र प्रदान किए।विद्यालय परिवार का उद्देश्य था कि छात्राएँ महान राष्ट्रीय नेताओं के विचारों एवं आदर्शों से प्रेरणा प्राप्त कर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु संकल्पित हों।ह्वइस अवसर पर पुष्पा वर्मा, जकिया, स्वेता शालिनी, शकेबा, ममता दलेला,आरोही बरीरा आदि शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

रन फॉर यूनिटी मैराथन दौड़ का आयोजन, सरदार पटेल की जयंती पर एकता का संदेश

रजपुरा/संभल(सब का सपना):– विकास खण्ड रजपुरा में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 'रन फॉर यूनिटी' मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। यह मैराथन विकास खण्ड रजपुरा मुख्यालय से कायनाथ बालिका इंटर कॉलेज तक सुबह 11 बजे से शुरू हुई। कार्यक्रम में सिपाही लाल इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैराथन में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विजेताओं को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए ड्ट1500, ड्ट1000 तथा ड्ट500 की नगद धनराशि के साथ शील्ड प्रदान की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी डॉ. आदेश कुमार रहे। अन्य प्रमुख उपस्थितों में ब्लॉक प्रमुख पति गैरिश यादव, पूर्व मण्डल अध्यक्ष बीजेपी शांति स्वरूप, प्रधानाचार्य कौशल किशोर सिंह एवं दीप चाँद पाण्डेय, अइरअ मुंशी लाल पटेल तथा हेडमास्टर अनिल कुमार शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक की कर्मठ टीम ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर थाना अध्यक्ष कुंवरपाल सिंह, सहायक विकास अधिकारी (पं.), सहायक शिक्षा अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, ग्राम पंचायत अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। 'रन फॉर यूनिटी' का मुख्य उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता, सद्भावना एवं एकजुटता का संदेश देना था। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों को एकता की शपथ भी दिलाई गई। यह आयोजन क्षेत्र में राष्ट्रीय भावना को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम साबित हुआ।

बीडीएस दंत चिकित्सक सौरभ गुप्ता डिग्री की धौंस दिखाकर कर रहे उत्पीड़न

खबर का खंडन:- बीडीएस दंत चिकित्सक को गलती से हमारे रिपोर्टर के द्वारा समाचार पत्र में 30 अक्टूबर को प्रकाशित समाचार में लिखा गया था झोलाछाप

बहजोई/संभल (सब का सपना):- बीते 30 अक्टूबर को हमारे समाचार पत्र में झोलाछाप डॉक्टर का खेल दांतों के अस्पताल की आड़ में किये जा रहे कई इलाज, शीर्षक पर समाचार प्रकाशित किया गया था। हालांकि खबर के व्याख्यान में भी चिकित्सक को बीडीएस डॉक्टर बताया गया था, लेकिन मुख्य शीर्षक में झोलाछाप डॉक्टर लिखने पर हम खेद व्यक्त करते है। भविष्य में अपने सभी पत्रकारों को सूचित करते है कि समाचारों को पूर्णत पुष्टि करने के बाद ही प्रकाशित किया जाए। हालांकि जब इस पूरे मामले को लेकर हमने अपने रिपोर्टर से बात की तो उन्होंने बताया कि वह डॉक्टर

सौरभ गुप्ता के क्लीनिक पर एक टूथपेस्ट लेने के लिए गए थे जो मार्केट में ₹300 में मिल जाता है लेकिन डॉक्टर ने ₹350 से कम देने पर मना कर दिया था। इसके बाद रिपोर्टर के द्वारा मार्केट से ही इस टूथपेस्ट को ₹300 में लाकर डॉक्टर को दिखाया गया लेकिन डॉक्टर के द्वारा रिपोर्टर को उल्टा सीधा बोला गया जिसका वीडियो रिपोर्टर के पास उपलब्ध है। अन्य साक्ष्य भी रिपोर्टर के पास उपलब्ध है। वहीं अन्य सूत्रों ने भी बताया कि उनके यहां पर दवाई के बारे में जानकारी करने पर डॉक्टर सौरभ गुप्ता का रवैया मरीजो के प्रति अच्छा नहीं रहता। हालांकि एक व्यक्ति ने नाम न छापने की शर्त पर रिपोर्टर को बताया कि डॉक्टर दंत चिकित्सा की आड़ में अन्य इलाज भी करते हैं और मोटी रकम वसूलने का कार्य करते हैं। जैसा कि हमने 30 अक्टूबर को प्रकाशित समाचार में भी बताया था कि शाय-एनएम' नामक टूथपेस्ट का प्रिंटेड रेट 351 रुपये है, जो बाजार में 300 रुपये से भी कम में मिल जाता है। ऑनलाइन भी यह 300 रुपये से कम में उपलब्ध है।लेकिन क्लिनिक में पूछने पर डॉक्टर ने 350 रुपये ही बताए थे। जब बाजार से सस्ता लाकर दिखाया तो गर्म लहजे में बोले, 'हमारा रेट 350 ही है, कम में नहीं बेचते। लेना हो तो लो, वरना जाओ,आज के बाद हमारे पास कभी नहीं आना,यह व्यवहार न सिर्फ अपमानजनक था, बल्कि लूट का रूप साफ दिख रहा था। 'शाय-एनएम' टूथपेस्ट संवेदनशील दांतों के लिए जाना जाता है, जिसकी कीमत मार्केट में 300 रुपये है। लेकिन क्लिनिक में डिस्काउंट न देकर पूर्ण मूल्य (350) रुपए या फिर मूल्य से अधिक रुपए वसूलना और बिल नहीं देना। आखिर किस और इशारा करता है। इसे समझने की आवश्यकता है।

225वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में मरीजों का निशुल्क उपचार, गोल्डन कार्ड व आभा आईडी जारी

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद सम्भल में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 225वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का सफल आयोजन किया गया। इस मेले में 35 चिकित्सकों एवं 126 पैरा-मेडिकल स्टाफ ने कुल 2335 रोगियों का निःशुल्क उपचार किया, जिसमें 998 पुरुष, 900 महिलाएं एवं 437 बच्चे शामिल रहे। मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 156 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए, जबकि 184 व्यक्तियों की आभा आईडी जारी की गई। विभिन्न रोगों के मरीजों में बुखार के 208, चर्म रोग के 395, दमा के 269, मधुमेह के 69, नेत्र रोग के 42, उच्च रक्तचाप के 86 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गए। बुखार से पीड़ित 60 मरीजों की मलेरिया जांच एवं 42 की डेंगू जांच की गई, जिसमें सभी रिपोर्ट निगेटिव पाई गई। परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर अलग काउंटर स्थापित किए गए, जहां परामर्श एवं चॉइस ऑफ बॉस्केट सामग्री उपलब्ध कराई गई। जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार समस्त आशा कार्यकताओं ने सोर्स रिडक्शन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक किया। 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत 257 व्यक्तियों को तंबाकू छोड़ने की परामर्श दी गई। मेले का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जनपद एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों ने किया। यह आयोजन जनपदवासियों के स्वास्थ्य उन्नयन में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

यातायात माह नवम्बर के तहत जागरूकता रैली का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह ने यातायात माह नवम्बर जागरूकता अभियान की रैली को हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ किया। रैली में क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक कुमार, एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी, जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड ज्ञान प्रकाश, प्रभारी यातायात दुष्यन्त कुमार तथा समस्त उप निरीक्षक यातायात एवं कर्मचारीगण शामिल हुए। इसके साथ ही एंग्लो वैदिक पब्लिक स्कूल और भगत जी पब्लिक स्कूल के अध्यापक एवं लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस जवानों की मौजूदगी में यह रैली पुलिस लाइन मुख्य द्वार से इस्लामनगर चौराहा तक निकाली गई। रैली के दौरान आम जनता को यातायात नियमों से संबंधित पम्फलेट वितरित किए गए। सार्वजनिक स्थानों पर बैनर एवं पोस्टर लगवाए गए। मुख्य मार्गों एवं सड़कों पर अनुचित तरीके से खड़े वाहनों, जो दुर्घटना एवं जाम का कारण बन रहे थे, को हटवाया गया तथा वाहन स्वामियों को आगे से ऐसा न करने की चेतावनी दी गई। रैली समाप्ति के पश्चात पुलिस लाइन स्थित सभागार में उच्चाधिकारियों ने स्कूली बच्चों को संबोधित किया। बच्चों को हेलमेट एवं सीट-बेल्ट लगाकर वाहन चलाने, मोटरसाइकिल पर तीन सवारी न बैठाने, तेज गति से वाहन न चलाने तथा दुर्घटनाओं को कम करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही, प्रत्येक बच्चे को अपने परिवार एवं समाज में कम से कम 10 लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

यह अभियान सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने एवं दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। पुलिस प्रशासन ने जनता से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

पशु चोरी की वारदात का खुलासा, 6 शातिर गिरफ्तार अवैध हथियार और 5 पशु बरामद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना बबराला पुलिस ने क्राइम ब्रांच और सर्विलांस टीम के सहयोग से पशु चोरी की बड़ी वारदात का सफल अनावरण किया है। पुलिस ने 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से अवैध तमंचा, कारतूस, चाकू, नकदी और चोरी गए 5 पशुओं को बरामद किया है। गिरोह डकैती की योजना बना रहा था, जबकि एक अभियुक्त अभी फरार है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई और अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू तथा थानाध्यक्ष नरेंद्र कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। 26 अक्टूबर की रात थाना बबराला क्षेत्र के ग्राम बाघऊ की मढ़ैया से 6 पशुओं की चोरी हुई थी। 1 नवंबर को पुलिस ने नूरपुर तिराहे के पास से 5

अभियुक्तों को दबिश देकर पकड़ा, जब वे डकैती की योजना बना रहे थे। नेकपाल पुत्र रतनलाल निवासी जहानपुर की मढ़ैया, थाना रजपुरा। जिसके पास से अवैध तमंचा 315 बोर, 3 जिंदा कारतूस 315 बोर, चार 500 रुपये के नोट (कुल 2,000 रुपये)। शाकिर पुत्र बाबू, निवासी ग्राम दहगबा, थाना जरीफनगर, जिला बदायूं। नेमपाल उर्फ जनका पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम अतरासी, थाना बहजोई। के पास सेअवैध चाकू। चमन पुत्र अली हसन, निवासी ग्राम मलकपुर, थाना अनूपशहर, जिला बुलंदशहर। के पास से अवैध तमंचा 12 बोर, 3 जिंदा कारतूस 12 बोर। पप्पू शर्मा पुत्र गुलजारीलाल शर्मा निवासी ग्राम बैरपुर, थाना जुनावाई। इनकी निशानदेही पर सोनू पुत्र रघुवीर (निवासी आवास विकास प्रथम, थाना कोतवाली नगर, जिला बुलंदशहर) के मकान से 5 चोरी गए पशु बरामद किए गए। सोनू को भी हिरासत में लिया गया। कुल 6 अभियुक्त पुलिस गिरफ्त में हैं।

पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्तों ने खुलासा किया कि वे संगठित गिरोह के रूप में चोरी और डकैती करते हैं। 26 अक्टूबर की रात फरार साथी नौशाद पुत्र बाबू (निवासी अलीगंज, जनपद एटा) के साथ मिलकर उन्होंने 6 पशुओं की चोरी की। इनमें से 5 पशुओं को कम दामों में 90 हजार रुपये में सोनू को बेच दिया। नौशाद एक भैंस और 90 हजार रुपये लेकर फरार हो गया। चमन और शाकिर शातिर अपराधी हैं।

सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। फरार नौशाद की तलाश जारी है। पुलिस की इस सफलता से क्षेत्र में अपराधियों में खौफ पैदा हुआ है।

ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन की बैठक में पत्रकारों ने एकजुट होकर कार्य करने का लिया संकल्प

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद संभल के पत्रकार बंधुओं ने एकजुटता का परिचय देते हुए शासन-प्रशासन के दबाव से मुक्त होकर निष्पक्ष पत्रकारिता करने का संकल्प लिया। ऑल इंडिया रिपोर्टर एसोसिएशन (आईरा) जनपद संभल की एक महत्वपूर्ण बैठक आज रविवार को बदायूं रोड स्थित पहलवान ढाबा, चंदौसी पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता आईरा ग्रुप के जिला अध्यक्ष वीरेश ठाकुर ने की।

बैठक में उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। जिला अध्यक्ष वीरेश ठाकुर ने कहा कि हमारे सभी पत्रकार साथी एक राय होकर कार्य करें। शासन-प्रशासन के दबाव में आकर कार्य न करें। यदि प्रशासन द्वारा हमारे साथ कोई गलत कार्य किया जाता है, तो हम उस पर ठोस कदम उठाने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि पत्रकारिता का मूल मंत्र निष्पक्षता और साहस होना

चाहिए।

इस अवसर पर दैनिक समाचार पत्र 'आज' के जिला प्रभारी संभल एस.के. सक्सेना ने कहा कि सभी पत्रकार साथी एकजुट होकर कार्य करें। एक रहें, गरीबों की आवाज को बुलंद करें। न कोई छोटा है, न कोई बड़ा। सभी साथी निडर होकर अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने अपील की कि पत्रकारिता समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बनने का माध्यम बने।

बैठक में जिला अध्यक्ष वीरेश ठाकुर, विकास कुमार, आशुतोष भंडारी, अरविंद, महानंदन गौतम, एस.के. सक्सेना, जुगल किशोर शर्मा, नेत्रपाल सिंह, योगेश राहुल, विनय कुमार राठौर, सौरव मिश्रा, अफसर अली, बबलू सैफी, मनीष कुमार एम.बी. सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे। बैठक का समापन संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी ने एकजुट पत्रकारिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

यह बैठक जनपद के पत्रकारों के बीच एकता को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी।

कुशीनगर जिले में 35 मिमी. वर्षा रिकार्ड : गन्ना और धान दोनों फसलों को नुकसान, खेतों में पानी भरा

कुशीनगर। मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में दिखाई दिया। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 35 मिली मीटर वर्षा हुई, अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में 115 मिली मीटर वर्षा, असमय तेज हवा के साथ रिकॉर्ड हुई। कई स्थानों पर गन्ना की फसल गिर गई, जिससे भारी नुकसान हुआ है। इस समय धान की फसल पक कर तैयार है, इस असमय वर्षा से धान की फसल को भी काफी नुकसान हुआ है। ये बातें पूर्व सहायक निदेशक व गन्ना विशेषज्ञ ओम प्रकाश गुप्ता ने भगवानपुर, हेतिमपुर, कसया, खेदनी आदि गांवो का भ्रमण कर गन्ना फसल को देखा तत्पश्चात ग्राम बकनहा शिव मंदिर परिसर में किसानों के साथ बैठक में कही। अचानक, असमय, रुक-रुक कर

35 मिली मीटर वर्षा होने से तापमान गिर गया, जिससे किसान चिंतित हैं। इस बारिश से खेतों में पानी भर गया है। अधिक नमी होने के कारण चारों चीनी मिलों में समय से गन्ना पेराई प्रारंभ करने में व्यवधान उत्पन्न हुआ है। अप्रैल से अब तक कुल कितने मिली मीटर वर्षा हुई है, यह जानने के लिए पूर्व सहायक निदेशक ने चारों चीनी मिलों के अधिकारियों से बातचीत की। रामकोला चीनी मिल के प्रधान प्रबंधक 'गन्ना' इंद्र शर्मा ने बताया कि 1040 मिली मीटर वर्षा हुई है। ढाढ़ा चीनी मिल के उपाध्यक्ष 'गन्ना' रविंद्र सिंह ने बताया कि अब तक 850 मिली मीटर वर्षा हुई है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 30 मिमी वर्षा हुई है। खड्डा चीनी मिल के गन्ना प्रबंधक श्री सुधीर कुमार ने बताया कि 1335 मिली मीटर वर्षा हुई है।

सेवरही चीनी मिल के वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक पी एन. शाही ने बताया कि 1050 मिली मीटर वर्षा हुई है, तथा अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में 32 मिली मीटर वर्षा हुई है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. सुरुति ने पूर्व सहायक निदेशक को बताया कि मोंथा चक्रवात का असर कुशीनगर जिले में भी दिखा है, 35 मिली मीटर वर्षा रिकार्ड की गई है, अब मौसम साफ रहेगा। गन्ना फसल को कितना नुकसान हुआ है, फसल को देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है। 50 प्रतिशत से अधिक खेतों में पानी भरा है। जलभराव वाले गन्ने में पानी के ऊपरी आंखों से जड़ें निकल रही हैं। कुछ गन्ने की पत्तियां पीली पड़ रही हैं गन्ना गिरने के बाद गांठों से जड़ें निकल रही हैं। आंखें अंकुरित हो रहीं हैं। कुछ खेतों में गिरा हुआ गन्ना पुनः खड़ा हो रहा है। इससे उपज तथा चीनी परता दोनों घटेगा। शरदकालीन गन्ना बुवाई में देरी होगी। वर्तमान में गन्ने का मूल्य बढ़ने से किसानों में उत्साह दिखाई दे रहा है। ढाढ़ा चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने गेट क्षेत्र में गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए 11 स्थानों पर भव्य गन्ना गोष्ठी का आयोजन करवाया है। इन गोष्ठियों में उन्होंने स्वयं किसानो से संपर्क किया है। जिसका सकारात्मक परिणाम मिल रहा है।

चुनाव आयुक्त बोले: पूरे देश की वोटर लिस्ट का शुद्धिकरण होगा

कानपुर। अकेले बिहार में अब तक विश्व का सबसे बड़ा वोटर लिस्ट शुद्धिकरण अभियान चला है। जिस दिन अन्य राज्यों में 51 करोड़ मतदाताओं की सूची का शुद्धिकरण होगा, वह भी एक ऐतिहासिक होगा। जब यह प्रक्रिया पूरे देश में पूरी होगी, तब आपको न सिर्फ अपने चुनाव आयोग पर, बल्कि अपने मुख्य आयुक्त और अपने समाज के ज्ञानेश कुमार पर भी गर्व होगा।

ये बातें मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कानपुर में कही। रविवार को वे आईआईटी कानपुर के फाउंडेशन डे में शामिल होने पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं अपनी मां की बात नहीं टालता हूं। उन्हीं के कहने पर मैं यहां आया हूं। कार्यक्रम में उन्होंने आईआईटी में पढ़ाई के दिनों के किस्से, कानपुर से जुड़ा अपनापन और अनुभव साझा किए। आईआईटी कानपुर से पहले स्वरूपनगर स्थित टीएसएच स्पोर्ट्स

हब में आयोजित माथुर वैश्य समाज के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा- चुनाव में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ज्ञानेश कुमार ने कहा- मैंने अपनी माता जी से कहा था कि बिहार चुनाव के चलते आईआईटी आने की संभावना नहीं है। आईआईटी के लोगों ने भी मेरे आने की उम्मीद छोड़ दी थी। लेकिन मैं अपनी माता जी की आज्ञा का पालन करते हुए कानपुर आया हूं। मैं एक पूर्व विद्यार्थी के नाते आईआईटी कानपुर आया हूं। आईआईटी ने मुझे जो सम्मान देने का निर्णय लिया है, वह मेरे लिए गर्व की बात है। कानपुर में बिताए गए 4 साल मेरे जीवन के सबसे ऊर्जावान और यादगार साल रहे हैं। इस शहर से मुझे हमेशा गहरा लगाव रहा है। ज्ञानेश कुमार ने कहा, यह समय बिहार चुनाव का है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से मतदाताओं से वोट की अपील कर रहे हैं। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि चुनाव आयोग के लिए न कोई पक्ष है, न विपक्ष सभी समान हैं। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर, दूसरे चरण का 11 नवंबर और मतगणना 14 नवंबर को होगी। मतदाता पारदर्शी और स्वतंत्र रूप से मतदान कर सकें, इसके लिए आयोग पूरी तरह तैयार है। बिहार चुनाव के लिए 243 रिटर्निंग ऑफिसर, उतने ही ऑब्जर्वर, जिला कलेक्टर और पुलिस कप्तान तैनात हैं। हमें विश्वास है कि बिहार में होने वाला यह चुनाव पारदर्शिता, सक्षमता और सरलता का प्रतीक बनेगा और भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के लिए एक नजीर पेश करेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त अपनी पत्नी अनुराधा के साथ कानपुर पहुंचे थे। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए बताया- काशी के घाट से गंगा में तैरीकी सीखने वाला एक लड़का जो बनारस के राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज में पढ़ता है। वहां से 10वीं का एग्जाम देता है। इसके बाद पिता के ट्रांसफर के साथ घूमता रहता है। फिर वह लखनऊ आ जाता है, यहां गर्वमेंट कॉलेज में पढ़ता है फिर आईआईटी कानपुर में पढ़ने चला जाता है। पढ़ते-पढ़ते बीच में हम केरल भी चले जाते हैं। केरल आईआईटी कानपुर या दिल्ली से उतना ही दूर है जितना कि यहां से अमेरिका। मेरा अमेरिका जाने का सपना पूरा नहीं हो पाया। IIT कानपुर के कार्यक्रम के दौरान उन्होंने मंच पर बैठे सभी लोगों का नाम लेकर धन्यवाद दिया। इस दौरान उन्होंने मंच पर बैठी अपनी पत्नी का परिचय देते हुए कहा कि मेरी होम मिनिस्टर अनुराधा भी मंच पर बैठी हैं। उन्होंने कहा- मेरे पिता आगरा में डीएवी कॉलेज के प्रिंसिपल भी रहे थे। और जब किसी जमाने में अंग्रेजों से टकराव हुआ तो उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। आगरा जब इस बार जाएं तो वहां एत्मादौला जरूर जाएं। जब उसकी चार मीनारों से एक में से नीचे देखेंगे तो वहां आज भी मेरे बाबा का स्कूल चलता मिलेगा। रिटायरमेंट के बाद पिता जी का मन नहीं भरा तो एक स्कूल और खोल लिया। अब उसे मेरा बेटा चलाता है।

पटेल जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित

कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल कुशीनगर व नगर पालिका परिषद कुशीनगर द्वारा संयुक्त रूप से लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के जयंती के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार की सुबह नगर के नेशनल हाईवे चौराहे से रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, नगर मंडल अध्यक्ष आद्या पांडेय, निवर्तमान अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, नगर मंडल उपाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, मंडल महामंत्री रवि शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री जायसवाल ने सभी को राष्ट्र की एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के तहत पदाधिकारी नेशनल हाईवे चौराहे से शहीद अमिय त्रिपाठी चौक तक पहुंचे जहां आयोजित गोष्ठी में श्री जायसवाल ने लौह पुरुष, भारत रत्न, सरदार वल्लभभाई पटेल को नमन करते हुए कहा कि स्व. सरदार पटेल में अदम्य साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्र समर्पण की भावना थी। वह भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले महान शिल्पी थे। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत एक शक्तिशाली और एकीकृत राष्ट्र के रूप में विश्व में उभरा है। इस दौरान विपुल दुबे, राधेश्याम गोंड,अमित पांडेय, श्रवण तिवारी, राहुल सोनी, सुमित जायसवाल, सभासद गण केशव सिंह, राजेश मद्धेशिया, मुन्ना शर्मा, गिरिजेश सिंह, राकेश यादव सहित शक्ति केंद्र संयोजक व कार्यकर्ता गण मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

बिहार चुनाव प्रचार में कांग्रेस के स्टार कम्पेनरों में हरियाणा से सुरजेवाला व प्रदीप नरवाल शामिल

चंड़ीगढ़ : बिहार विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के हरियाणा में से मात्र दो नेताओं की चुनाव प्रचार के लिए ड्यूटी लगी है। राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल जो हरियाणा से आते हैं इन दो नेताओं की ड्यूटी बिहार चुनाव में प्रचार के लिए लगाई गई है। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा उनके पुत्र दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान, कांग्रेसी सांसद तथा राष्ट्रीय नेता कुमारी शैलजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह जैसे सरीखे नेताओं के नाम भी बिहार चुनाव प्रचार के लिए जारी की गई कांग्रेस की सूची में नहीं है।

राहुल गांधी अपनी वा प्रियंका गांधी की कोर कमेटी के सदस्य प्रदीप नरवाल को आल इंडिया कांग्रेस का सचिव पद पहले से मिला हुआ है। प्रदीप नरवाल पूर्व में जेएनयू के छात्र नेता भी रह चुके हैं।प्रदीप नरवाल हरियाणा के सोनीपत जिलें के कथुरा गांव के रहने वाले है। इनकी छवि हमेशा से अंबेडकरवादी दलित नेता की रही है। मध्यम वर्गीय परिवार में जन्में प्रदीप नरवाल का जीवन संघर्ष भरा रहा है। इससे पहले प्रदीप नरवाल

हरियाणा कांग्रेस में अनुसूचित जाति विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुके है। उसके बाद इन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग में राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर व उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति विभाग के प्रभारी के तौर पर नियुक्त किया गया था। प्रदीप नरवाल एक साधारण दलित परिवार से हैं। गांधी परिवार की निकटता के कारण राष्ट्रीय सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, सह प्रभारी-उत्तर प्रदेश व प्रियंका गांधी के सचिव के रूप में यूपी के सह-प्रभारी भी हैं। हरियाणा में वह दीपेंद्र हुड्डा के करीबी हैं। रणदीप सिंह सुरजेवाला हरियाणा में पूर्व मंत्री रहे हैं। राष्ट्रीय कांग्रेस में महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर आसीन हैं।कांग्रेस की राजनीति में सोनिया,राहुल व प्रियंका तीनों के अत्यन्त विश्वस्त साथियों में शामिल है।गांधी परिवार ने बिहार चुनाव प्रचार के लिए अपने विश्वस्त रणदीप सुरजेवाला व प्रदीप नरवाल पर भरोसा जताया है।इसीलिए इन दोनों के नाम स्टार प्रचारकों में शामिल हैं।दूसरी तरफ भाजपा हरियाणा के द्वारा बिहार चुनावों में पिछले 15 दिनों से कई दिग्गजों व मंत्रियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने खुद कमान संभाली हुई है। केबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी,कृष्ण लाल पंवार,विपुल गोयल ,पूर्व मंत्री असीम गोयल लगातार वहीं चुनाव प्रचार में कमान संभाले हुए हैं।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार को मारी टक्कर, युवक की दर्दनाक मौत

अबाला : अंबाला के महेश नगर क्षेत्र में अंबाला-यमुनानगर रोड पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान फड़ौली निवासी रेशम कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रेशम कुमार मोटरसाइकिल पर सवार होकर अंबाला की ओर जा रहा था, तभी अचानक उसकी बाइक एक डंपर की चपेट में आ गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और महेश नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर

नागरिक अस्पताल अंबाला छावनी भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मौके पर लंबा जाम लग गया, जबकि डंपर चालक दुर्घटना के तुरंत बाद फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है। जांच अधिकारी ने बताया कि शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। यह हादसा एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों की याद दिलाता है।

कैंसर की चपेट में आया हरियाणा का ये जिला, इन 9 गांवों में बीमारी से जूझ रहे लोग

नूंह : हरियाणा का नूंह जिला इन दिनों कैंसर की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। जिले के 9 गांवों में अब तक 100 से अधिक लोग कैंसर से पीड़ित पाए गए हैं, जबकि 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यहां सबसे अधिक मामले उन इलाकों में सामने आए हैं, जहां आसपास से ड्रेन गुजरती है या बूचड़खाने व हड्डी पीसने वाले प्लांट स्थित हैं। इस पर स्थानीय लोगों का कहना है कि इन इलाकों में गुरुग्राम कैनाल (उजीना ड्रेन) का रासायनिक युक्त पानी फसलों की सिंचाई में इस्तेमाल होता है, जिससे कैंसर फैल रहा है। विधायक आफताब अहमद ने भी इस मुद्दे को विधानसभा में उठाते हुए आरोप लगाया कि विभागों की लापरवाही के कारण स्थिति भयावह हो चुकी है।

उन्होंने बताया कि टपकन गांव से एक साल पहले पानी के सैंपल लिए गए थे, लेकिन रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई। उस समय गांव में 25 से अधिक कैंसर के मरीज थे। 2 दिन पहले डीसी अखिल पिलानी ने फैलेंडी गांव में रात्रि ठहराव के दौरान ग्रामीणों से शिकायतें सुनीं। ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में कैंसर तेजी से फैल रहा है। इसके बाद डीसी ने स्वास्थ्य विभाग को जांच के आदेश दिए और जन स्वास्थ्य विभाग को पानी की सैंपलिंग करने के निर्देश दिए।अब स्वास्थ्य विभाग ने नूंह और पुन्हाना ब्लॉक के 9 गांवों निजामपुर, मालब, आकेड़ा, फलेंडी, टपकन, झारोकड़ी, बिछोर, रीगड़ और सटकपुरी में सर्वे शुरू किया है। आशा वर्कर, एमपीएचडब्ल्यू और सीएचओ की टीम सोमवार तक कैंसर पीड़ितों का डेटा जुटाएगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसानों, खेती को बदलती जलवायु में सशक्त बनाने के लिए नाबार्ड-सीईईडब्ल्यू ने मिलाए हाथ

नई दिल्ली/टीम डिजिटल। जलवायु अनुकूलन खेती को बढ़ाने, रिसर्च व ग्रामीण वित्तपोषण के लिए आगे कदम बढ़ाते हुए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने काउंसिल ऑफ एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के साथ एक समझौता किया है। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी ने कहा, नाबार्ड और सीईईडब्ल्यू ग्रामीण जलवायु पर किसानों, छोटे उद्यमों के आथक विकास बढ़ावा देंगे ताकि बदलती जलवायु के अनुकूल वे खेती कर सकें। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में स्थायी आजीविका को बढ़ावा देना, नई तकनीक, निवेश और संस्थागत क्षमता को मिलाकर ऐसे मॉडल तैयार

किए जाएंगे जिससे किसानों को मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि, नाबार्ड लंबे समय से स्थायी ग्रामीण परिवर्तन के वित्तपोषण में अग्रणी रहा है।

उन्होंने कहा, सीईईडब्ल्यू से हमें अच्छी डेटा प्रणाली, जलवायु-अनुकूल उपकरणों से खेती को और उन्नत करने में सहयोग मिलेगा ताकि भारत के किसानों, ग्रामीण उद्यमों की अनुकूलन क्षमता बढ़े। सीईईडब्ल्यू की संस्थापक, सीईओ डॉ. अरुणाभा घोष ने कहा कि, इस साझेदारी से हम

जलवायु अनुकूलन खेती को बढ़ाने, रिसर्च व ग्रामीण वित्तपोषण के लिए आगे कदम बढ़ाते हुए राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने काउंसिल ऑफ एनर्जी, एनवायरमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) के साथ एक समझौता किया है।

किसानों, हरित ग्रामीण उद्यमों और स्थानीय संस्थानों को बदलते जलवायु में विस्तार हेतु सशक्त बनाएंगे। इस अवसर पर नाबार्ड के महाप्रबंधक नबीन कुमार रॉय सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

हिसार में 2 नर्स के खिलाफ FIR, इस मामले में हुई ये बड़ी कार्रवाई

हिसार : हिसार जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डाटा में डिलीवरी के दौरान लापरवाही बरतने के चलते महिला की जान चली गई। यह घटना करीब दो महीने पहले की है। अब इस मामले में पुलिस ने दो स्टाफ नर्स के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। मृतका

के पति ने शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती थी। उन्हें 28 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे प्रसव पीड़ा होने पर डाटा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने मरीज को रेफर नहीं किया और वहीं डिलीवरी कराने का दबाव बनाया। स्टाफ नर्स ने जबरन बच्चेदानी पर कट लगाकर डिलीवरी कराई, जिससे आशु को अत्यधिक रक्तस्राव हुआ। शाम की ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स बिना बताए चली और रात की ड्यूटी वाली नर्स को मरीज की गंभीर हालत के बारे में कुछ नहीं बताया। रात में जब महिला की जांच की गई, तो उसकी हालत बेहद नाजुक थी। इसके बाद आशु को तत्काल अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस नेता को मिली 5 करोड़ की रंगदारी की धमकी, इस कुख्यात गैंग पर लगाया आरोप

जींद : हरियाणा में अपराध और रंगदारी के मामलों में बढ़ोतरी के बीच जींद जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। कांग्रेस नेता और प्रमुख अस्पताल संचालक अशोक मलिक को कुख्यात रोहित गोदारा गैंग की ओर से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने की धमकी मिली है। अस्पताल संचालक के अनुसार, उन्हें व्हाट्सएप के जरिए संदेश भेजा गया, जिसमें रकम न देने पर जान से मारने की चेतावनी दी गई है।उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद जींद एसपी ने उन्हें सुरक्षा मुहैया कराई है। मलिक ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा सरकार अपराधियों पर अंकुश लगाने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की सुरक्षा की बात करती है, लेकिन हरियाणा में अपराधी खुलेआम धमकियां दे रहे हैं।

अपराधियों के हौसले बुलंद, लाइब्रेरी में तोड़फोड़ कर संचालक से मांगी फिरौती, पुलिस ने चंद घंटों में किया काबू

अंबाला : अंबाला छावनी सदर पुलिस ने तीन ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया है जिन्होंने एक लाइब्रेरी में तोड़फोड़ कर लाइब्रेरी संचालक को डराया धमकाया और हर महीने 15000 रुपए फिरौती की मांग की गई।अगर फिरौती नहीं दी तो अंजाम भुगतने की चेतावनी दी गई। पीड़ित लाइब्रेरी संचालक ने घटना के बाद पुलिस को शिकायत दी जिसके बाद पुलिस ने FIR दर्ज कर चंद घंटों में तीन आरोपियों को काबू किया।

मामले में जानकारी देते हुए थाना छावनी सदर एसएचओ सुरेन्द्र सिद्धू ने बताया कि अमित नामक युवक ने शिकायत दी थी कि 31 तारीख की देर रात को तीन लोग आए और उसके लाइब्रेरी में तोड़फोड़ की और 15000 रुपए महीने की फिरौती मांगी गई, जब अमित ने यह कहा कि लाइब्रेरी अभी बन रही है। तब बदमाशों ने उसे कहा कि अभी बन रही है तो 15000 मांग रहे हैं काम

चलेगा तो फिरौती की रकम बढ़ाई जाएगी। इस शिकायत के आधार पर FIR दर्ज कर ली गई थी और कल शाम को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है एक आरोपी पर पहले ही दर्ज हैं 7 मामले

गिरफ्तार आरोपियों में एक आरोपी पर पहले ही फिरौती और घर में घुसकर मारपीट व लड़ाई झगड़े के सात मुकदमे दर्ज हैं तो दूसरे आरोपी पर दो मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल इनको कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड मांगा जाएगा और किसी भी हाल में इनको बक्शा नहीं जाएगा। वहीं SHO ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी को कोई डराता धमकता है या फिरौती की मांग करता है तो वह लोग बेझिझक एसपी अंबाला या फिर थाने के सरकारी नंबरों पर व्हाट्सएप या कॉल के माध्यम से जानकारी दे सकते हैं। जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ठगों ने जज साहब को ही लगा दिया चूना, बैठे-बैठे लगाई हजारों की चपत... 3 महिलाओं सहित 4 गिरफ्तार

जींदः स्थानीय साइबर क्राइम पुलिस ने इंदौर में चल रहे फर्जी मैट्रीमोनियल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए 4 आरोपियों रितु, प्रमिला रोकड़े, प्रिया व सुरज धार्मिक को गिरफ्तार किया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने यहां साइबर थाने में दर्ज करवाई शिकायत में बताया था कि वे अपने बेटे के लिए वधू की तलाश कर रहे थे। 10 फरवरी को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आई जिसमें बेटे की जानकारी मांगी गई। इसके बाद अलग-अलग लोगों की कॉल आने लगीं। जो अलग अलग लड़कियों के परिवारों से मुलाकात करवाने की बात करते थे। आरोपियों ने मैट्रीमोनियल साइट की फीस के नाम पर एक बार गत 12 फरवरी को 3500 रुपए और फिर 14 फरवरी को 3500 रुपए आनलाइन ट्रांसफर करने को कहा। इस पर उन्होंने उक्त राशि आरोपियों को ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उन्हें एक लड़की का फोटो और प्रोफाइल भेजा गया। इसके बाद अंजलि नाम की लड़की और उसकी मां बनकर महिला ने फोन पर बात की। इसके बाद कॉल सेंटर की एक महिला रिया ने बताया कि अंजलि लड़के से बात

करना चाहती है, लेकिन 2 दिन तक कोई संपर्क नहीं हुआ। शक होने पर ए.डी.जे. ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। ए.डी.जे. की शिकायत के आधार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की तो पता चला कि यह गिरोह मध्य प्रदेश के इंदौर से अपना नैटवर्क चला रहा है।

जींद साइबर क्राइम थाना व इंदौर पुलिस ने की संयुक्त कार्रवाई

साइबर थाना जींद ने इंदौर पुलिस से संपर्क कर पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देश पर मध्य प्रदेश के इंदौर में एरोड्रम थाना और साइबर थाना जींद की संयुक्त टीम गठित की। टीम ने कार्रवाई करते हुए इंदौर के कालानी नगर स्थित आरती अपार्टमेंट छापेमारी कर उक्त फर्जी मैट्रीमोनियल कॉल सेंटर का पदार्फाश कर महिलाओं सहित 4 लोगों को काबू कर लिया। इनके पास से 90 मोबाइल फोन, 5 लैपटॉप और 1.40 लाख रुपए बरामद हुए। जानकारी के अनुसार ये लोग वर-वधू को दिखाने और बातचीत करवाने के नाम पर लोगों से रुपए ठगते थे

खबर एक्सप्रेस

हरियाणा की ये खाप 53 गांवों में खोलेगी आधु निक लाइब्रेरी

कैथल : कैथल में आयोजित एक सम्मेलन में ढुल खाप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष हरपाल सिंह ढुल ने घोषणा की कि खाप प्रदेश के 53 गांवों में आधुनिक लाइब्रेरियां स्थापित करेगी। इन पुस्तकालयों को गांवों के सरकारी स्कूलों से जोड़ा जाएगा, ताकि हर छात्र को पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर संसाधन मिल सकें। सम्मेलन शिक्षा, संस्कार, तकनीकी प्रगति और सामाजिक एकता को समर्पित रहा। हरपाल सिंह ढुल ने कहा कि समाज की असली तरक्की शिक्षा से होती है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ें और लिव-इन रिलेशन जैसी प्रथाओं से दूर रहें, क्योंकि यह भारतीय समाज की मूल संरचना को कमजोर करती हैं। ढुल खाप के प्रतिनिधियों धर्मवीर ढुल, सतबीर ढुल, एडवोकेट दक्ष ढुल, मास्टर पाला राम ढुल और बलविंद्र ढुल ने भी खापों की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खापों ने हमेशा देश, धर्म और समाज की रक्षा में योगदान दिया है। साथ ही, ढुल खाप ने नशा मुक्ति अभियान शुरू करने की भी घोषणा की, जिसके तहत युवाओं को शिक्षा, खेलकूद और स्वच्छ जीवन की ओर प्रेरित किया जाएगा।

जैसे उल्लू को रोशनी से डर लगता है, वैसे ही कांग्रेस को आरएसएस से', खड़गे के बयान पर विज का पलटवार

अंबाला : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कांग्रेस और बीजेपी के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गांधी जी की हत्या के बाद सरदार पटेल द्वारा आरएसएस पर लगाए गए प्रतिबंध का जिक्र करते हुए

कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सच में पटेल का सम्मान करते हैं, तो उन्हें फ़्ररर पर बैन लगा देना चाहिए। इस पर हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने तीखी प्रतिक्रिया दी। विज ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से फ़्ररर के खिलाफ बोलती रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जैसे उल्लू को रोशनी से डर लगता है, वैसे ही कांग्रेस को फ़्ररर से डर लगता है। फ़्ररर एक देशभक्त, चरित्रवान और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाली संस्था है, जिसे देखकर कांग्रेस की आंखें बंद हो जाती हैं। राहुल गांधी के उस बयान पर भी विज ने पलटवार किया जिसमें राहुल ने कहा था कि मोदी अमेरिका नहीं जा रहे क्योंकि वे ट्रंप से डरते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी कब, कहां और किससे मिलेंगे, यह वे खुद तय करेंगे, राहुल गांधी नहीं। प्रधानमंत्री मोदी को जितने अंतरराष्ट्रीय सम्मान और पुरस्कार मिले हैं, उतने किसी भारतीय नेता को नहीं मिले। वहीं, अखिलेश यादव द्वारा नीतीश कुमार को भाजपा का चुनावी दूल्हा बताने पर विज ने चुटकी ली। उन्होंने कहा कि भाजपा ने स्पष्ट कहा है कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद के चेहरा होंगे और पार्टी जो कहती है, वह करती है। अखिलेश को समझ नहीं आ रहा कि उन्हें बार-बार दूल्हा क्यों याद आ रहा है, शायद वे अब बैंड-बाजे वालों की तरह राजनीति कर रहे हैं।

कैदियों द्वारा बनाया गया फर्नीचर बना आकर्षण का केंद्र, मेले में आए लोगों को आ रहा खूब पसंद

यमुनानगर : यमुनानगर का विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक मेला कपाल मोचन में लगी प्रदर्शनी में जिला यमुनानगर कारागार से कैदियों द्वारा बनाया गया फर्नीचर और आयुर्वेदिक प्रोडक्ट मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। कैदियों द्वारा बनाए

गए फर्नीचर में आयुर्वेदिक प्रोडक्ट को श्रद्धालुओं ने जमकर सराहा और उसकी खरीदरी करते हुए नजर आए। कैदियों द्वारा कुर्सी, सोफा सेट, स्टूल, अलमारी, झूले आदि बहुत ही सुंदर तरीके से कारीगरी पेश करते हुए बनाया गया है। प्रदर्शनी में जिला कारागार यमुनानगर द्वारा स्टॉल लगाकर कैदियों द्वारा बनाए गए सामान का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए श्रद्धालु भारी संख्या में कैदियों द्वारा बनाए गए सामान को देखते हुए नजर आए। सामान की सराहना करते हुए लोगों ने फर्नीचर के सामान की खरीदारी भी की। इसके साथ कैदियों द्वारा जिला कारागार में आयुर्वेदिक प्रोडक्ट भी तैयार किए है। आयुर्वेदिक प्रोडक्ट में सबसे ज्यादा कैदियों द्वारा तैयार किया गया। एलोवेरा जेल लोगों ने काफी पसंद किया है। वहीं प्रदर्शनी में पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि कैदियों द्वारा बड़ी मेहनत लगन के साथ फर्नीचर तैयार किया गया है और जो आयुर्वेदिक प्रोडक्ट उनके द्वारा तैयार किया गया है, उसके लिए जेल परिसर के अंदर ही लगे हुए एलोवेरा पौधों से जैल को तैयार किया गया है। एलोवेरा जैल बनाने के लिए जेल के अंदर ही मशीन लगी हुई है, इससे जैल तैयार किया जाता है। प्रदर्शनी में फर्नीचर में आयुर्वेदिक प्रोडक्ट का प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों ने बताया कि कैदियों द्वारा बनाए गए फर्नीचर में आयुर्वेदिक प्रोडक्ट को मेले में आए श्रद्धालु बहुत पसंद कर रहे हैं और उनकी खरीदी कर रहे हैं।

हरियाणा के इस शहर में 1.80 करोड़ की लागत से बनेंगी पांच नई सड़कें

महेंद्रगढ़ः महेंद्रगढ़ शहर में नगर पालिका प्रशासन द्वारा 1.80 करोड़ रुपए की लागत से पांच सड़कों का निर्माण करवाया जाएगा। इनके बन जाने के बाद शहरवासियों को लाभ मिलेगा। इन बदहाल पांच सड़कों को जल्द ही बनाया जाएगा। इनमें ब्रह्मचारी रोड, मोहल्ला खटीकान, वार्ड न. छह, 14 की सड़कें शामिल हैं। इनके अलावा तीन मुख्य सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया जा चुका है। शहर के 11 हट्टा बाजार से मोदाश्रम, मोहल्ला सराय से सैनी सभा तक, खाद्य आपूर्ति विभाग से मंडी गेट नंबर एक तक रेलवे रोड का निर्माण का शुरू कर दिया गया है। नगर पालिका की ओर से डुलाना रोड पर टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। जब तक टेंडर अलाट नहीं किया जाता, तब तक पैचवर्क करवाने की योजना बनाई है। इस माह में ब्रह्मचारी रोड, डुलाना रोड, मोहल्ला खटिकान, वार्ड नंबर छह की सड़कों के हालात सुधारने के लिए नगरपालिका की ओर से योजना तैयार की जा चुकी है। ब्रह्मचारी रोड के नव निर्माण के लिए नगरपालिका की ओर से 25.71 लाख रुपये का बजट तैयार किया जा चुका है। शहर के मोहल्ला खटीकान से 11 हट्टा बाजार वाल्मीकि मंदिर होते हुए 300 मीटर सड़क के निर्माण के लिए 18.50 लाख रुपये का बजट तय किया गया है। इसके अलावा 35 लाख रुपये की लागत से रेलवे रोड के नव निर्माण कार्य का शुभारंभ किया जा चुका है।35 लाख रुपये की लागत से वार्ड नंबर सात की चार मुख्य सड़कों का निर्माण से पूर्व पुरानी टाइलों को उखाड़ना शुरू कर दिया है। वार्ड नंबर 13 से स्टेट हाईवे 148बी तक सड़क निर्माण पर 49 लाख रुपये का बजट तय कर काम युद्ध स्तर पर चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कुछ ग्रह खुद ही बना सकते हैं अपना पानी

काठमांडू, एजेंसी। कुछ ग्रह बाहरी पानी के लिए बाहरी स्रोतों पर निर्भर रहने के बजाय खुद ही पानी बना सकते हैं। अब तक यह माना जाता था कि ऐसे जल-समृद्ध ग्रह अपने तारों से दूर बनते हैं और बाद में पास आ जाते हैं, क्योंकि सूरज की भयंकर गर्मी से पानी टिक नहीं पाता। हमारे सौरमंडल में भी एक स्नो लाइन होती है। इसके भीतर बने ग्रहों (जैसे शुक्र) पर पानी नहीं होता, जबकि इसके बाहर बने ग्रह (शनि, नेपच्यून) पर पानी और गैस की भरमार होती है। नए अध्ययन के अनुसार, अगर सही परिस्थितियां हों तो हाइड्रोजन और खनिजों की रासायनिक प्रक्रिया से ग्रहों के अंदर ही स्थानीय रूप से पानी बन सकता है। प्रयोगशाला में किए गए परीक्षणों में इसे तार्किक ढंग से समझाया गया है।

पैनल में खराबी आने से फोर्ड ने वापस मंगाए 79,800 वाहन

काठमांडू, एजेंसी। फोर्ड मोटर कंपनी ने अमेरिका में लगभग 79,800 वाहनों को दरवाजे के पैनल और पिछली लाइटबार की खराबी के कारण वापस मंगाने की घोषणा की है। नेशनल हाईवे ट्रैफिक सेफ्टी एडमिनिस्ट्रेशन (एनएचटीएसए) के अनुसार, इसमें 14,843 एफ-150 लाइटनिंग इलेक्ट्रिक पिकअप ट्रक शामिल हैं। इसके अलावा फोर्ड ने 34,481 री-मैन्युफैक्चर्ड 10आर80 ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन यूनिट्स भी वापस मंगाई हैं, जो कुछ फोर्ड और लिंकन वाहनों में मरम्मत के पुर्जों के रूप में उपयोग की गई थीं।

किम का दावा-1969 में कोई चांद पर नहीं उतरा, नासा ने किया खारिज

काठमांडू, एजेंसी। हॉलीवुड अभिनेत्री किम कार्दशियन ने दावा किया कि 1969 में कोई चंद्रमा पर उतरा ही नहीं। हालांकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अभिनेत्री को इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि हम छह बार चांद पर जा चुके हैं। रियलिटी शो द कार्दशियन्स के हालिया एपिसोड में किम ने कहा कि मुझे लगता है कि अपोलो मिशन नकली था। इस पर नासा के कार्यवाहक प्रशासक सीन डफी ने सोशल मीडिया पर किम को टैग करते हुए लिखा, हम पहले भी छह बार चांद पर जा चुके हैं और अब आर्टेमिस मिशन के तहत दोबारा जा रहे हैं।

इस्राइल के हाइफा में भारतीय फिल्म महोत्सव की शुरुआत

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल के हाइफा में इस साल के दूसरे भारतीय फिल्म महोत्सव की जोरदार शुरुआत हो चुकी है। इस उद्घाटन समारोह में 200 से अधिक लोग शामिल हुए। दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव में पद्मावत, गंगूबाई काठियावाड़ी, जवान, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, अंधाधुन और 12वीं फेल जैसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। पहला फिल्म महोत्सव फरवरी में हुआ था, जिसकी सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण आयोजित किया गया है।

नेपाल में 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने पंजीकरण के लिए किया आवेदन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 5 मार्च 2026 को होने वाले आम चुनाव से पहले 17 नई राजनीतिक पार्टियों ने निर्वाचन आयोग (ईसी) में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। आयोग के प्रवक्ता नारायण भट्टराई ने बताया, इनमें से 7 पार्टियों ने 12 सितंबर को चुनाव तिथि घोषित होने के बाद, जबकि 10 ने उससे पहले आवेदन किया। नए आवेदनों के साथ आयोग में पंजीकृत पार्टियों की कुल संख्या अब 124 हो गई है। आयोग नए दलों के दस्तावेजों की समीक्षा कर रहा है।

तंजानिया में आम चुनाव के बाद हिंसा, 700 से अधिक लोगों की मौत का दावा, दार-एस-सलाम में 350 की जान गई

डोडोमा, एजेंसी। तंजानिया में विवादित आम चुनावों के बाद भड़की हिंसा में 700 से अधिक लोगों की मौत होने का दावा किया गया है। विपक्षी पार्टी चडेमा ने शुक्रवार को कहा कि देशभर में हुई झड़पों में सैकड़ों लोग मारे गए हैं, जबकि संयुक्त राष्ट्र ने विश्वसनीय सूत्रों के हवाले से दस लोगों की मौत की पुष्टि की है। चडेमा के प्रवक्ता जॉन कितोका ने बताया कि सिर्फ दार-एस-सलाम में करीब 350 और म्वांजा क्षेत्र में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई है। अन्य हिस्सों को जोड़ें तो संख्या लगभग 700 तक पहुंचती है। पार्टी का कहना है, आंकड़ा अस्पतालों के दौरे पर आधारित है। सरकार ने अब तक कोई आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। कहा है कि कुछ छिटपुट घटनाओं के बाद कानून-व्यवस्था बहाल की जा रही है।

जमैका में लोग कीचड़-मलबे में खाना ढूंढ़ने पर मजबूर

तूफान मेलिसा के बाद भूख-प्यास से परेशान ; बाढ़ का पानी भरा, जानवर सड़ रहे

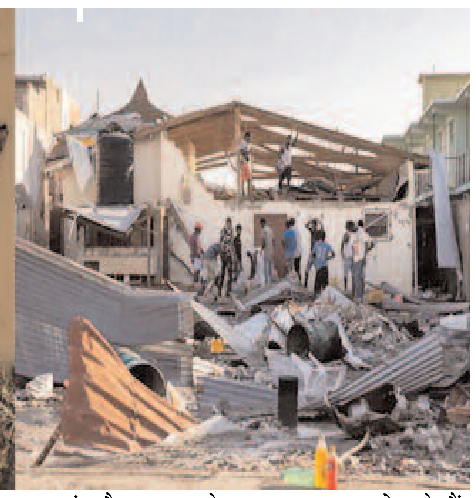

किंग्सटन, एजेंसी। जमैका में कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद हालात खराब हो चुके हैं। ब्लैक रिवर शहर में लोग कीचड़ और मलबे में खाने-पीने का सामान खोज रहे हैं। कई लोग टूटी दुकानों और सुपरमार्केट से पानी की बोतलें और जरूरी चीजें निकाल रहे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के बाद पिछले तीन दिनों से शहर में अराजकता और भूख-प्यास का संकट है। सड़कों पर कीचड़, टूटी इमारतें, पलटी नावें और बिखरे वाहन चारों ओर तबाही की तस्वीर पेश कर रहे हैं। बिजली-पानी की सप्लाई बंद है। लोगों का परिवारों से संपर्क टूट गया है।

अब तक लोगों को मदद नही मिली बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि अब तक इलाके में कोई राहत ट्रक नहीं पहुंचा है। वे सड़क पर पड़े मलबे या दुकानों में जो कुछ भी मिल रहा है, उसी से गुजारा कर रहे हैं।

एक स्थानीय युवक डेमर वॉकर ने कहा, हम सड़क पर जो भी मिल रहा है, वही खा रहे हैं। सुपरमार्केट से पानी लिया, लेकिन हमने दूसरों से भी साझा किया। पास की एक फार्मेसी और दुकानों में भी लूटपाट की घटनाएं हुईं। लोग कीचड़ में सनी दवाइयां और खाना उठाते दिखे। कई दुकानदार अपनी लूटी दुकानों के बाहर पहरा दे रहे हैं। राजधानी किंग्स्टन एयरपोर्ट पर राहत सामग्री पहुंचनी शुरू हो गई है, लेकिन छोटे एयरपोर्ट और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से मदद देर से पहुंच रही है। सेना और राहत एजेंसियों के ट्रक रास्तों के टूटे हिस्सों से गुजरने की कोशिश कर रहे हैं।

19 की मौत, हैती में भी 30 की जानें गईं जमैका सरकार ने पुष्टि की है कि तूफान में 19 लोगों की मौत हुई है। हैती में भी 30 लोगों की मौत की खबर है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि शहर के 90% घर तबाह हो चुके हैं। अस्पताल, पुलिस स्टेशन और फायर स्टेशन भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं। शहर के मेयर ने कहा, ब्लैक रिवर पूरी तरह तबाह हो चुका है। लोग मजबूरी में सामान उठा रहे हैं, लेकिन हिंसा भी बढ़ रही है। एक मेडिकल वर्कर ने बताया कि फायर स्टेशन में चार से पांच फीट पानी भर गया था। बच्चों और बुजुर्गों सहित कई लोग घायल अवस्था में लाए गए। कई जगह ऐसे लोग मिले जो जिंदा नहीं बचे। शुक्रवार दोपहर सेना के हेलिकॉप्टर ब्लैक रिवर पहुंचे। इसके बाद सड़कों से भीड़ कम हुई।

मेलिसा तूफान के बाद कैरिबियाई देशों की मदद में जुटे यूएन और सहयोगी संगठन

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी तूफान मेलिसा के बाद राहत सामग्री पहुंचाने और मदद समन्वयित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की मानवीय संस्था ओसीएचए ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार ओसीएचए ने कहा कि जमेका, क्यूबा और हैती में लाखों लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं और तुरंत मदद की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने कहा कि ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवनरेखा होता है।

क्यूबा के पूर्वी हिस्सों से गुजरे तूफान मेलिसा ने सैंटियागो, होलगुइन, ग्रान्मा और ग्वांतानामो में भारी तबाही मचाई है। कई क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं और सड़कों, रेल और हवाई मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य मुश्किल हो रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वह एक कार्य योजना बना रहा है ताकि राहत कार्य बेहतर तरीके से चल सकें। इसके लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्रीय कार्यालय से भी सहायता मिल रही है। जमैका में सरकार खुद राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही है और ओसीएचए कैरेबियन आपदा आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की टीमों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन कर रही है। खाद्य एवं कृषि संगठन, यूनिसेफ, यूएन जनसंख्या कोष और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन भी इन प्रयासों में शामिल हैं। हैती में, जहां पहले से ही मानवीय और हिंसक संकट गहरा हुआ है, संयुक्त राष्ट्र की टीमें सरकार के साथ मिलकर आश्रय, भोजन, जरूरी सामान और नकद सहायता जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लगी हैं। कैरेबियाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों में इस सदी का सबसे भयंकर तूफान कहे जा रहे मेलिसा ने भारी तबाही मचाई है। ताजा अपडेट के अनुसार इस भीषण तूफान में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है।

'संवाद से बनता है भरोसा, एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत', आसियान बैठक में बोले मलयेशियाई रक्षा मंत्री

कुआलालंपुर, एजेंसी। आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान मलेशिया के रक्षा मंत्री मोहम्मद खालिद नोरदिन ने क्षेत्रीय सहयोग और संवाद की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह वर्ष विशेष है क्योंकि एडीएमएम प्लस की स्थापना को 15 वर्ष पूरे हो गए हैं और यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद भरोसे को मजबूत करता है और एकता ही आसियान की सबसे बड़ी रक्षा है।

वैश्विक चुनौतियों पर चिंता व्यक्त : नोरदिन ने कहा आज दुनिया ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है जो सीमाओं से परे हैं। साइबर हमलों से लेकर जलवायु परिवर्तन तक, खाद्य असुरक्षा से लेकर महामारी तक। साइबरस्पेस में शक्तिशाली गैर-राज्यीय तत्व समाजों को अस्थिर करने और सरकारों को चुनौती देने में सक्षम हो गए हैं। वहीं, जलवायु संकट और प्राकृतिक आपदाएं हर दिन हमारी सहनशीलता की परीक्षा ले रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवीय मूल्यों की रक्षा की अपील : मलेशियाई रक्षा मंत्री ने कहा कि हर देश, बड़ा या छोटा, अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के उल्लंघन के खिलाफ दृढ़ता से खड़ा हो। उन्होंने गाजा और फलस्तीन में जारी मानवीय संकट पर गहरी चिंता जताई। नोरदिन ने कहा भूख और अभाव को युद्ध के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अत्यंत निंदनीय है। मलेशिया सभी देशों, विशेषकर बड़ी शक्तियों से आग्रह करता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार अपने प्रभाव का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि मलेशिया अमेरिका की गाजा संघर्ष को समाप्त करने की व्यापक योजना का स्वागत करता है।

रिकॉर्ड समय में तियांगोंग स्पेस स्टेशन से जुड़ा चीन का शेंझोउ-21, छह माह तक इन बातों पर करेगा शोध

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को घोषणा की कि उसका शेंझोउ 21 अंतरिक्ष यान अपनी नवीनतम तीन सदस्यीय टीम के साथ देश के तियांगोंग स्पेस स्टेशन से रिकॉर्ड समय में जुड़ गया। पूरी डॉकिंग प्रक्रिया लगभग 3.5 घंटे चली, जो पिछले मिशनों की तुलना में तीन घंटे कम है। शेंझोउ 21 यान शुक्रवार रात 11:44 बजे जिउक्‌आन लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी।

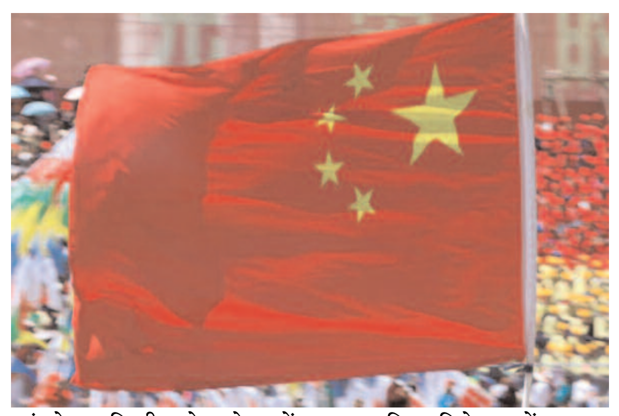

बता दें कि टीम में मिशन कमांडर और पायलट झांग लू शामिल हैं, जो दो साल पहले शेंझोउ 15 मिशन में भी गए थे। अन्य दो सदस्य पहली बार अंतरिक्ष जा रहे हैं। 32 वर्षीय इंजीनियर वू फेई चीन के सबसे कम उम्र के अंतरिक्ष यात्री हैं। झांग होंगझांग एक पेलोड विशेषज्ञ हैं, जो पहले नए ऊर्जा और नए पदार्थों पर शोधकर्ता थे। झाग ने क्या स्पेस मिशन पर क्या कहा? झांग ने कहा कि टीम स्पेस स्टेशन में ताई ची, बागवानी और कविता पढ़ने जैसी गतिविधियों के जरिए इसे स्वर्ग जैसा बनाएगी। तीनों सदस्य लगभग छह महीने तक स्टेशन पर रहेंगे। अंतरिक्ष में रहकर वे बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस मेडिसिन, मैटेरियल साइंस और अन्य क्षेत्रों में 27 वैज्ञानिक और व्यावहारिक परियोजनाओं पर काम करेंगे। अंतरिक्ष में चार चुहें भेज रहा चीन इतना ही नहीं इस बार चीन पहली बार अपने स्पेस स्टेशन में चूहों को भेज रहा है। कुल चार चूहे दो नर और दो मादा वजनहीनता और संगरोध के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भेजे गए हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि इससे छोटे जानवरों की अंतरिक्ष में प्रजनन और अनुकूलन तकनीक पर शोध में मदद मिलेगी। ये चूहे 300 उम्मीदवारों में से चुने गए और इनकी 60 दिनों तक कड़ी ट्रेनिंग हुई। ये चूहे शेंझोउ 20 के साथ पृथ्वी पर वापस आएंगे। क्या है चीन का अंतरिक्ष मिशन? गौरतलब है कि चीन ने 2003 में पहला मानवयुक्त मिशन लॉन्च किया और अमेरिका व सोवियत संघ के बाद तीसरा देश बना। चीन का लक्ष्य 2030 तक चंद्रमा पर मानव भेजना है। तियांगोंग स्पेस स्टेशन पूरी तरह चीन ने बनाया है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से अलग रखा गया है। चीन पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्रियों के प्रशिक्षण के लिए भी सहयोग कर रहा है। भविष्य में एक पाकिस्तानी अंतरिक्ष यात्री को शॉर्ट मिशन पर भेजने की योजना है।

न्यू मैक्सिको में तेल रिफाइनरी में धमाके के बाद लगी भीषण आग, कई लोग घायल

न्यू मैक्सिको, एजेंसी। अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य के आर्टेसिया शहर से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शुक्रवार को एक तेल रिफाइनरी में जोरदार धमाका हुआ, जिसके बाद वहां से घना धुआं उठने लगा और देखते ही देखते धुंआ शहर के कई हिस्सों में फैल गया। राहत और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पा लिया गया। मामले में आर्टेसिया पुलिस कमांडर पीट किनोनेस ने बताया कि धमाके में कोई मौत नहीं हुई, लेकिन कई लोग घायल हुए हैं। एडी काउंटी इमरजेंसी मैनेजर जेनिफर आर्मेन्डारिज़ ने कहा कि घायलों की संख्या फिलहाल स्पष्ट नहीं है।

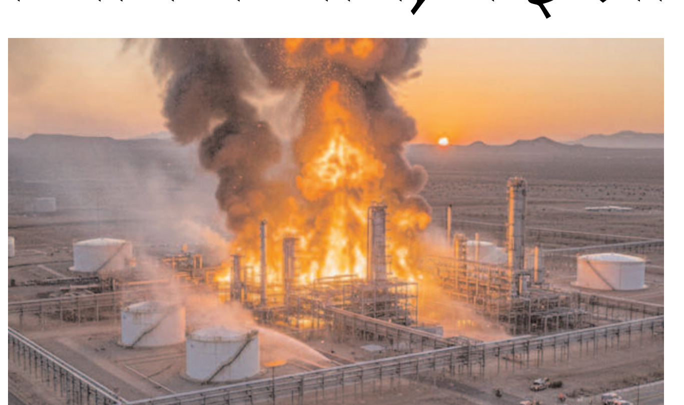

घटना के बाद सड़क कुछ समय के लिए बंद : बता दें कि घटना के बाद प्रशासन ने रिफाइनरी के पास की सड़कों को कुछ समय के लिए बंद कर दिया था ताकि मेडिकल हेलीकॉप्टर को उतरने की जगह दी जा सके। दोपहर तक धुआं छंट गया और सड़कें दोबारा खोल दी गईं। यह धमाका एचएफ सिंक्लेयर नवाजो रिफाइनरी में हुआ, जो आर्टेसिया के मुख्य चौराहे के पास स्थित है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी की दैनिक क्षमता लगभग एक लाख बैरल कच्चे तेल की प्रोसेसिंग की है। हालांकि, घटना के समय प्लांट कितनी क्षमता पर काम कर रहा था, यह साफ नहीं हो सका है। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी पश्चिमी और दक्षिण-पश्चिमी अमेरिका के बाजारों में तेल की आपूर्ति करती है और इसके साथ लगभग 105 किलोमीटर दूर लोविंगटन में भी कंपनी का एक और संयंत्र संचालित होता है।

अमेरिका में हैलोवीन के मौके पर आतंकी हमला नाकाम, एफबीआई निदेशक काश पटेल का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने दावा किया है कि मिशिगन में संभावित आतंकी हमले को नाकाम कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हैलोवीन सप्ताह के मौके पर कुछ संदिग्ध आतंकी हमले की साजिश रच रहे थे। हालांकि काश पटेल ने ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन विभिन्न रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि मामला चरमपंथियों के समूह से जुड़ा है, जो हैलोवीन के मौके पर हमले की योजना बना रहे थे।

काश पटेल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में काश पटेल ने कहा कि 'आज सुबह एफबीआई ने एक संभावित आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया और मिशिगन में कई लोगों को गिरफ्तार किया, जो कथित तौर पर हैलोवीन सप्ताह पर एक हिंसक हमले की साजिश रच रहे थे। और ज्यादा जानकारी जल्द ही आएगी। एफबीआई और हर जगह कानून प्रवर्तन एजेंसियों के उन सभी पुरुषों और महिलाओं को धन्यवाद जो 24 घंटे पहरा दे रहे हैं और देश की रक्षा करने के हमारे मिशन को पूरा कर रहे हैं।' हालांकि काश पटेल ने ये नहीं बताया कि एफबीआई ने मिशिगन में कहां कार्रवाई की, लेकिन मिशिगन पुलिस ने बताया कि डियरबोर्न इलाके में एफबीआई ने एक ऑपरेशन किया है।

संदिग्धों के चरमपंथियों के संपर्क में होने का शक : डियरबोर्न इलाका फोर्ड मोटर कंपनी के मुख्यालय के लिए प्रसिद्ध है और इस शहर में अरब अमेरिकी मूल की आबादी बड़ी संख्या में है। ये पता नहीं चल पाया है कि ये आतंकी हमला किस तरह का था। राष्ट्रपति ट्रंप के शासन में लैटिन अमेरिकी ड्रग तस्करों और फासीवादी विरोधी अभियान एंटीफा को भी आतंकी घोषित किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जांचकर्ताओं का मानना है कि यह साजिश इस्लामिक स्टेट के चरमपंथ से प्रेरित थी और जांच की जा रही है कि हिरासत में लिए गए लोग कहीं ऑनलाइन चरमपंथियों के संपर्क में तो नहीं थे। इस जांच में एक ऑनलाइन चैट रूम में हुई बातचीत शामिल है, जिसमें हिरासत में लिए गए कुछ संदिग्ध शामिल थे।

'एशिया-प्रशांत सहयोग का नया दौर शुरू', चीन में होगा अगला एपीईसी शिखर सम्मेलन, जिनपिंग ने की घोषणा

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने घोषणा की कि वर्ष 2026 का एपीईसी शिखर सम्मेलन चीन के शेनझेन शहर में आयोजित किया जाएगा। इस बैठक में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 21 देशों के नेता शामिल होंगे। दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में संपन्न इस साल की बैठक के समापन सत्र में शी ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि शेनझेन, जो कभी एक छोटा मछली पकड़ने वाला गांव था, आज आधुनिक अंतरराष्ट्रीय महानगर बन चुका है। यह चीन के खुलेपन और विकास की कहानी का प्रतीक है। आने वाले साल में हम सब इसी शहर में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

ट्रंप-शी बैठक बनी रही चर्चा का केंद्र : इस साल के एपीईसी सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग की मुलाकात ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। दोनों नेताओं के बीच टैरिफ और दुर्लभ खनिजों के व्यापार को लेकर नई सहमति बनी। ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका चीन पर लगाई गई फेंटानिल टैरिफ को 20% से घटाकर 10% करेगा।

इसके बदले चीन ने अमेरिका से सोयाबीन और सेमीकंडक्टर चिप्स के आयात को मंजूरी दी और दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण को हटाने पर सहमति जताई। ट्रंप ने कहा कि वह अप्रैल 2026 में चीन का दौरा करेंगे, जबकि शी जिनपिंग उसके बाद अमेरिका की यात्रा करेंगे। संभावना जताई जा रही है कि ट्रंप भी शेनझेन शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे।

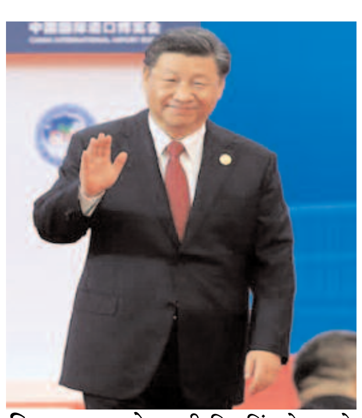

विकास पर जोर : शी जिनपिंग ने अपने संबोधन में कहा एशिया-प्रशांत देशों को पारस्परिक सहयोग को और गहरा करना चाहिए, नई तकनीकों में खुला नवाचार अपनाना चाहिए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को मानवता के हित में दिशा देनी चाहिए।

क्षेत्रीय सहयोग और तकनीकी उन्होंने विकसित देशों से विकासशील देशों को वित्तीय, तकनीकी और क्षमता निर्माण में सहयोग देने की अपील की। शी ने कहा कि एपीईसी की असली ताकत उसकी एकजुटता और साझा दृष्टिकोण में निहित है।

चीन के लिए शेनझेन क्यों है खास : शेनझेन चीन की आर्थिक क्रांति का केंद्र माना जाता है। 1980 के दशक में यह शहर चीन के पहले आर्थिक विशेष क्षेत्र के रूप में उभरा था। आज यहां तकनीकी, विनिर्माण और समुद्री व्यापार का मजबूत नेटवर्क है, जो इसे एपीईसी जैसे वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी के लिए आदर्श स्थान बनाता है।

डिक्शनरी डॉट कॉम ने 6-7 को वर्ड ऑफ द ईयर घोषित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। ऑनलाइन शब्दकोश, डिक्टशनरी डॉट कॉम का इस वर्ष का वर्ड ऑफ द ईयर कोई शब्द नहीं है। इस बार उसने वायरल शब्द या वाक्यांश '6-7' को इस श्रेणी में जगह दी, जो बच्चों-किशोरों में बहुत लोकप्रिय है। यह पीढ़ी इस वाक्यांश का अकसर इस्तेमाल करते हैं जबकि माता-पिता और शिक्षक इसे समझ नहीं पा रहे हैं। डिक्शनरी ने इसे तय करने के लिए सर्च इंजन, और शोशल मीडिया ट्रेंड्स का विश्लेषण किया।

भारतीय टीम ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी की

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां तीसरे टी20 क्रिकेट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर सीरीज में 1-1 से बराबरी हासिल कर ली है। भारतीय टीम की जीत में वाशिंगटन सुंदर की नाबाद 49 रनों की पारी के अलावा तिलक वर्मा की 29 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम को जीत के लिए 187 रनों का लक्ष्य दिया था जिसे भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय पारी का आकर्षण सुंदर की पारी रही। सुंदर ने 23 गेंद में चार छक्के और तीन चौके लगाये।

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तेज शुरुआत की पर वह अधिक देर नहीं टिक पाये। अभिषेक ने 16 गेंद में 2 चौके और 2 छक्के लगाकर 25 रन बाये। वह नाथन एलिस की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद एलिस ने शुभमन गिल को भी पेवेलियन भेजे दिया। शुभमन 15 रन ही बना पाये। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 24 रन बनाये। सूर्यकुमार के आउट होने के बाद अक्षर पटेल ने 17 रन बनाये और तिलक वर्मा के साथ पारी को आगे बढ़ाया। एलिस ने अक्षर को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा।

अक्षर पटेल के आउट होने के बाद तिलक ने सुंदर के साथ पांचवें विकेट के लिए 34 रनों की अहम साझेदारी कर टीम को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। इसके बाद तिलक 29 रन बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर आउट को गये। इसके बाद . सुंदर ने जितेश शर्मा के साथ टीम को जीत दिलायी। जीतेश ने 22 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एलिस ने तीन विकेट लिए।

इससे पहले इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को बल्लेबाज के के लिए बुलाया था। मेजबान टीम की ओर से टिम डेविड ने 8 चौके और 5 छक्के लगाकर 38 गेंदों पर 74 रन बनाए। वहीं मार्कस स्टोइनिस ने 39 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के लगाकर 64 रन बनाये। इस प्रकार मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 186 रन बनाये।

वहीं भारतीय टीम की ओर से भारत अर्शदीप सिंह ने 3 और वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट जबकि एक विकेट शिवम दुबे ने लिया। वहीं इस मैच में इस मैच में भारतीय टीम ने तीन बदलाव करते हुए बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर और विकेटकीपर बल्लेबाज

जितेश शर्मा को शामिल किया है जबकि हर्षित राणा, कुलदीप यादव और संजू सैमसन को बाहर कर दिया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की जगह ऑलराउंडर सीन एबॉट को शामिल किया है। पांच मैचों की इस सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा ऑस्ट्रेलियाना ने चार विकेट से जीता था।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने रचा इतिहास, 2025 में एसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भले ही साउथ अफ्रीका को हार झेलनी पड़ी हो, लेकिन युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस ने इतिहास रच दिया। 22 वर्षीय इस स्टार खिलाड़ी ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 50 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बनकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए अफ्रीकी टीम महज 110 रन पर ढेर हो गई। पाकिस्तान की ओर से फहीम अशरफ ने 4 विकेट और सलमान मिर्जा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए साइम अय्यूब ने मात्र 38 गेंदों पर नाबाद 71 रन की विस्फोटक पारी खेलते हुए पाकिस्तान को 13.1 ओवर में जीत दिला दी। इस जीत के साथ अब सीरीज का निर्णायक मुकाबला और भी रोमांचक हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के (2025)

डेवाल्ड ब्रेविस (दक्षिण अफ्रीका) - 50
हैरी ब्रुक (इंग्लैंड) - 46
अभिषेक शर्मा (भारत) - 43
शाई होप (वेस्टइंडीज) - 42
तनजीद हसन (बांग्लादेश) - 41.

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

– आईपीएल से लेकर टेस्ट क्रिकेट तक मचाया धमाल

होबार्ट (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है, जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे।

आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।÷

धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही

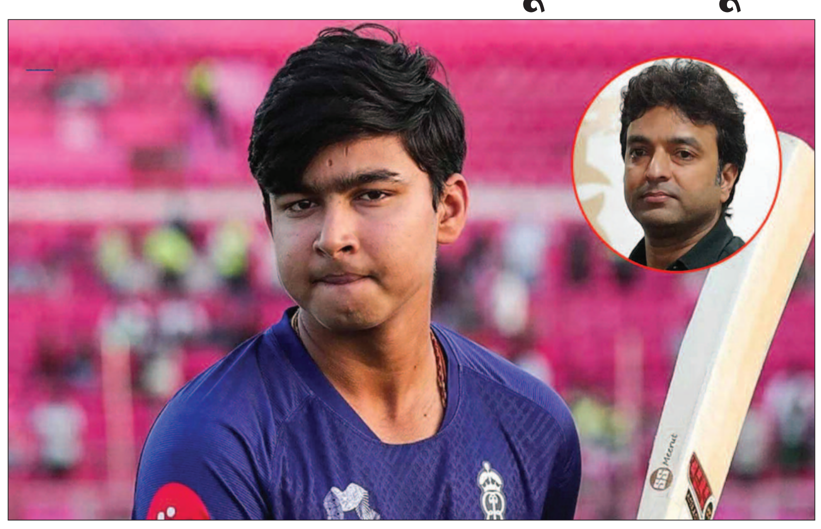

में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

धूमल ने कहा, ÷रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा, दोनों का सही संतुलन है।÷

वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं। फिलहाल, फैंस बेसब्री से उस पल का इंतजार कर रहे हैं, जब यह 14 वर्षीय बल्लेबाज टीम इंडिया के लिए डेब्यू करते हुए मैदान पर उतरेगा।

अर्शदीप ने सोशल मीडिया में रखी बात

मुम्बई ।पिछले कुछ समय से शानदार प्रदर्शन के बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाने से निराश भारतीय टीम के बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने सोशल मीडिया में अपनी बात रखी है ।अर्शदीप ने लिखा है कि जैसे करोगे वैसा ही भरोगे ।इस तेज गेंदबाज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी ।टीम प्रबंधन के इस रुख की प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी जिसके बाद तीसरे टी20 के लिए अर्शदीप को जगह मिली । अर्शदीप ने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीयमें 101 विकेट हासिल किए हैं ।इसके बाद भी पर्याप्त अवसर नहीं मिलने से नाराज अर्शदीप ने सोशल मीडिया में लिखा ।, 'जो भी बीज आप बोते हैं आपके कर्म, वही फल आप काटते हैं ।' इस पोस्ट से साफ है कि ये तेज गेंदबाज टीम प्रबंधन के रवैये से नाराज है ।

एकदिवसीय के बाद टी20 में भी खामोश है शुभमन का बल्ला

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के नये टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारुपों में कप्तान बनाये जाने की अटकलें हैं ।चयन समिति और कोच गौतम गंभीर भविष्य में शुभमन को ही टी20 कप्तान बनाना चाहते हैं ।इसी कारण उनको टी20 की उपकप्तानी दी गयी है पर इंग्लैंड दौरे के बाद से ही जिस प्रकार से शुभमन का बल्ला सीमित ओवरों टेस्ट और टी20 में नहीं चल रहा ।उससे गंभीर की चिन्ता जरुर बढ़ गयी होगी ।शुभमन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के तीनों मैचों में रन नहीं बना पाये ।टी20 सीरीज के भी पहले दो मैच में वह विफल रहे । एशिया कप में भी वह बड़ी पारी नहीं खेल पाये । कुल मिलाकर देखा जाये तो वह पिछली 12 पारियों मे एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये ।ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टी20 सीरीज में खेले गए दो मैचों में उन्होंने 37 और 5 रन बनाए है ।शुभमन ने टी20 में अंतिम बार अर्धशतक 13 जुलाई 2024 को जिम्बाब्वे के खिलाफ लगाया था । ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एकदिवीसय सीरीज में भी शुभमन विफल रहे थे ।तीन मैचों की सीरीज में शुभमन गिल रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए सिर्फ 43 रन ही बना सके ।उनका सबसे अधिक स्कोर 24 रन था ।

रणजी ट्रॉफी में मोहम्मद शमी का जलवा, अगरतला में उमड़ा फैंस का सैलाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के दिनों में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच विवाद की खबरें सुर्खियों में रही थीं। शमी का कहना है कि वह पूरी तरह फिट हैं, फिर भी बिना किसी ठोस कारण के उन्हें टीम से बाहर रखा गया। वहीं, अगरकर ने उन्हें ड्रॉप करने के अपने अलग तर्क दिए थे। इस विवाद के बीच शमी ने अब मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब देना शुरू कर दिया है। वह रणजी ट्रॉफी में बंगाल की ओर से खेलते हुए एक बार फिर शानदार गेंदबाजी के दम पर चर्चा में हैं।

त्रिपुरा के खिलाफ यह मुकाबला अगरतला के महाराजा बीर बिक्रम कॉलेज स्टेडियम में खेला जा रहा है। जैसे ही शहर में यह खबर फैली कि मोहम्मद शमी मैदान पर उतरने वाले हैं, बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी

स्टेडियम की ओर उमड़ पड़े। आमतौर पर रणजी ट्रॉफी के घरेलू मैचों में दर्शकों की तादाद बहुत कम होती है, लेकिन इस मैच में माहौल बिल्कुल अलग था। अनुमान के मुताबिक, करीब दो से तीन हजार दर्शक स्टेडियम में मौजूद थे, जो केवल शमी की एक झलक पाने और उन्हें गेंदबाजी करते देखने पहुंचे थे।

फैंस स्टैंड्स से लगातार शमी के नाम के नारे लगाते रहे, जिससे माहौल रोमांचक बन गया। बारिश की वजह से पहले दिन का खेल केवल 60 ओवर तक ही हो पाया, जिसमें बंगाल की टीम ने एक विकेट खोकर 171 रन बनाए हैं। भले ही शमी को अभी बल्लेबाजी या गेंदबाजी का पूरा मौका नहीं मिला हो, लेकिन उनकी मौजूदगी ने मैच का आकर्षण कई गुना बढ़ा दिया है। शमी अब तक भारत के लिए 64 टेस्ट, 108 वनडे और 25 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वर्ल्ड कप 2023 में उन्होंने अपनी घातक गेंदबाजी से भारत को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी और टूर्नामेंट के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार रहे थे। रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह दिखाती है कि वह अब भी फिट और फॉर्म में हैं और शायद चयनकर्ताओं को अपने प्रदर्शन से जवाब देने के मूड में हैं।

ऋषभ की दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ आक्रामक पारी, जमकर चौके, छक्के लगाये

नई दिल्ली ।विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की कप्तानी करते हुए दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन किया है ।इंग्लैंड दौरे पर चोटिल होने के बाद से ही खेल में वापसी करने वाले ऋषभ पंत इस मैच की पाहली पारी में 17 रन ही बना पाये पर दूसरी पारी मे उन्होंने अपने ही आक्रामक अंदाज में बल्लेबाज करते हुए जमकर चौके और छक्के लगाये ।ऋषभ इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए 90 रन बनाकर आउट हुए ।इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 4 छक्के लगाए । ऋषभ ने 113 गेंदों पर 90 रन बनाये ।वह तियान वैन वुरेन की गेंद पर आउट हो गए ।ऋषभ इंग्लैंड दौरे में पैर के अंगूठे में फैक्चर के बाद से ही टीम से बाहर थे ।अब इस पारी से उनका इसी माह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज के लिए मनोबल बढ़ा है ।

न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए जैमीसन और सोढ़ी को शामिल किया

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वेस्टइडीज के खिलाफ 5 नवंबर से शुरू हो रही तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 14 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को टीम में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को भी इस टीम में जबह मिली है।

भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ये सीरीज दोनो ही टीमों के लिए काफी अहम रहेगी। वेस्टइंडीज की टीम जहां खराब दौर से गुजर रही है। वहीं कीव टीम का प्रदर्शन भी पिछले कुछ समय में खराब हुआ है। पूर्व कप्तान केन विलियमसन भी संन्यास लेने के कारण टी में नहीं होंगे जिसका भी उसे नुकसान होगा। बोर्ड ने कहा कि पांच खिलाड़ी फिन एलेन, लॉकी फर्ग्युसन, एडम मिल्ने, ग्लेन फिलिप्सऔर बेन सीयर्स अभी फिट नहीं है। इसलिए टीम से बाहर हैं। वहीं मैट हेनरी को ब्रेक दिया गया है। फिन के पैर में चोट लगी है जबकि फर्ग्युसन हैमस्ट्रिंग की चोट से परेशान हैं। इस खिलाड़ियों को विश्वकप से पहले फिट होने का भरोसा है।

टीम इस प्रकार है- मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिचेल, जिमी नीशम, रचिन रविंद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सीफर्ट (विकेट कीपर), नाथन स्मिथ और ईश सोढ़ी।

इरफान पठान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल, कहा– टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

मुम्बई ।पूर्व ऑलराउंडर राजेश बानिक का एक सड़क हादसे में निधन हो गया है ।40 साल के बानिक ने भारत की अंडर–19 टीम के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला था। वह अपने सरल स्वभाव के लिए जाते थे ।उनके निधन की खबर से भारतीय क्रिकेट जगत में शोक की लहर छा गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश त्रिपुरा में अपने गृहनगर आनंदनगर में सड़क हादसे में गंभीर रुप से घायल हो गये थे ।जिसके बाद उन्हें अगरतला के जीबीपी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी ।बानिक ने घरेलू क्रिकेट में त्रिपुरा की ओर से कई अच्छी पारियां खेलीं हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2002–03 के रणजी सत्र में त्रिपुरा की ओर से डेब्यू किया था ।अपने करियर के दौरान उन्होंने 42 प्रथम श्रेणी मैच में 1469 रन बनाए और 6 अर्धशतक लगाये। त्रिपुरा क्रिकेट असोसिएशन के सचिव सुब्रत डे ने राजेश के निधन पर गहरा शोक जताते हुए कहा, 'यह बहुत बड़ी क्षति है ।बानिक सिर्फ एक अच्छे खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक शानदार इंसान भी थे ।उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों को पहचाना और आगे बढ़ने में मदद की। उनकी मौत हमारे लिए अपूरणीय क्षति है ।' खेल से संन्यास लेने के बाद बानिक ने क्रिकेट प्रशासन से भी भी जुड़े ।उन्हें त्रिपुरा की अंडर–16 टीम का चयनकर्ता बनाया गया था। वे न सिर्फ एक अनुशासित खिलाड़ी थे बल्कि मैदान के बाहर भी एक मार्गदर्शक की तरह युवा खिलाड़िया की सहायता करते थे ।इरफान पठान सहित कई पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने सोशल मीडिया पर बानिक को श्रद्धांजलि दी है ।

विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया, फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे

–टेस्ट प्रारुप पर ध्यान देंगे

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। विलियमसन ने 2024 के बाद से ही टी20 क्रिकेट नहीं खेला है और इस प्रारुप में पिछले कुछ समय से उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा है। विलियमसन अब अपना पूरा ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर लगायेंगे और इसी को देखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। वह हालांकि फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते रहेंगे।।

इस पूर्व कप्तान ने कहा कि टी20 से सही संन्यास का सही समय है। उन्होंने कहा, मैं सभी से मिले समर्थन के साथ ही सहयोग के लिए भी आभारी हूं। खेल की यादें हमेश बनी रहेंगी। उन्होंने कहा कि आज देश में टी20 की काफी प्रतिभाएं हैं। उनके हटने से अब युवा खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा जिससे टीम की टी20 विश्वकप की तैयारी बेहतर तरीके से हो सकेगी। उन्होंने कप्तान मिचेल सेंटनर की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। साथ ही कहा कि अब टीम को इस प्रारुप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार रहना चाहिये। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि वह किसी न किसी रुप में खेल से जुड़े रहना चाहेंगे और इसके लिए बोर्ड के संपर्क में बने रहेंगे।

विलियमसन ने न्यूजीलैंड टीम की ओर से साल 2011 में टी20 डेब्यू किया था और कुछ ही समय में अंदर वह टीम के एक बड़े खिलाड़ी बनकर उभरे। उन्होंने अभी तक 93 टी20ट्ठ मैचों में कुल 2575 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 18 अर्धशतक लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 95 रन रहा।

विलियमसन ने टी20 प्रारुप में सफल कप्तान की है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी से टीम को कई बार जीत दिलायी थी। उन्होंने न्यूजीलैंड की ओर से 75 टी20 मैचों में कप्तानी की है जिसमें टीम ने 39 मैचों टीम को जीत हासिल की जबकि 34 में उसे हार का सामना करना पड़ा। उनकी कप्तानी में टीम 2021, 2016 और 2022 टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची थी।

'द ताज स्टोरी' की कंट्रोवर्सी पर परेश रावल ने तोड़ी चुप्पी

परेश रावल का कहना है कि फिल्म 'द ताज स्टोरी' में कोई झूठ नहीं है। उनका दावा है कि यह फिल्म विश्व प्रसिद्ध स्मारक यानी ताजमहल के बारे में तथ्य ही पेश करती है। इससे आगे चलकर पर्यटन को ही बढ़ावा मिलेगा।

परेश रावल को फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी

बातचीत में परेश रावल ने कहा, 'हमारे सिनेमा में बहुत सारा छल-कपट और झूठ है। लेकिन हमारी फिल्म में कोई झूठ नहीं है, सिर्फ तथ्य हैं। जब मेरे पास फिल्म की स्क्रिप्ट आई, तो मैंने उसे पढ़ा और मुझे यह पसंद आई। मुझे फिल्म की रिसर्च अच्छी लगी। मैंने कुछ दोस्तों के साथ तथ्यों की पुष्टि की और पाया कि यह सही थे। इसके बाद मैं निर्देशक से मिला। हमने तय किया कि फिल्म में कोई कट्टर राष्ट्रवाद नहीं होगा, यह फिल्म सिर्फ ताज के बारे में होगी।'

विवाद खड़ा करना नहीं चाहते हैं

परेश रावल आगे कहते हैं, 'लोग कह रहे हैं कि हम हिंदू-मुस्लिम विवाद खड़ा करना चाहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। हम हमेशा से इससे दूर रहे हैं। हम एक शोध वाली मजेदार फिल्म बनाना चाहते थे जो हमारे यहां बनती नहीं हैं।' इस फिल्म को तुषार अमरीश गोयल ने डायरेक्ट किया है।

क्या है 'द ताज स्टोरी' के मेकर्स का दावा

मेकर्स का दावा है यह फिल्म भारतीय इतिहास के एक ऐसे अध्याय को पेश करती है जिसे पहले कभी किसी ने सामने लाने की हिम्मत नहीं की। इस महीने की शुरुआत में, फिल्म का पहला पोस्टर तब विवादों में घिर गया था जब इसमें परेश रावल के किरदार को ताजमहल का गुंबद हटाते और उसमें से भगवान शिव की एक मूर्ति निकलते हुए दिखाया गया था। पोस्टर के पीछे का विचार यह है कि यह ताजमहल नहीं है। कुछ लोग इसे तेजो महालय कहते हैं।

वर्क लाइफ बैलेंस पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'थामा' और आगामी फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं रश्मिका और विजय देवरकोंडा की सगाई की खबरें भी लगातार फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। अब इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर चल रही बहस के बीच रश्मिका ने काम और जिंदगी में संतुलन को लेकर बात की है। इससे पहले 'द गर्लफ्रेंड' के निर्माता एसकेएन ने रश्मिका की तारीफ करते हुए कहा था कि वो काम को घंटों की तरह नहीं लेती हैं। अब रश्मिका ने भी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन को लेकर बात की और ज्यादा काम न करने के महत्व को समझाया है।

वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो

कुछ समय पहले रश्मिका मंदाना ने बताया था कि उन्हें पूरे 8 घंटे की नींद लिए हुए कई महीने हो गए हैं। इसी बात का जिक्र करते हुए जब प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन के बारे में पूछा गया तो रश्मिका ने गल्ट से कहा, 'मुझे लगता है कि इस बात का महिमामंडन करना कि हम जरूरत से ज्यादा काम करते हैं, ठीक नहीं है। मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं और मैं आपको बता रही हूं यह बिल्कुल भी सुझाव देने योग्य नहीं है। ऐसा मत करो। यह टिकाऊ नहीं है। वही करो जो तुम्हारे लिए आरामदायक हो, वही करो जो तुम्हारे लिए सही हो। वो 8 घंटे काम करो, वो 9-10 घंटे भी काम करो क्योंकि यकीन मानो, ये तुम्हें आगे चलकर बचाएगा। जैसे मैंने हाल ही में ऐसी कई बातचीत देखी हैं जहां लोग कहते हैं, ठीक है, काम का समय पता है वगैरह। मैंने दोनों ही किया है। यह इसके लायक नहीं है।'

मैं जरूरत से ज्यादा काम करती हूं

अभिनेत्री ने आगे कहा कि जैसा जाहिर है कि यह एक जिम्मेदारी है जो तुम पर है। मैं खुद पर जरूरत से ज्यादा काम कर लेती हूं क्योंकि मैं एक सामान्य इंसान से कहीं ज्यादा काम ले लेती हूं। लेकिन मैं ऐसी भी नहीं हूं जो अपनी टीमों से कहूं कि मैं उनके लिए कुछ नहीं कर सकती। अगर मुझे पता है कि वे संघर्ष कर रहे हैं और वे कहते हैं, नहीं, मेरे पास अभी तक केवल यही लोकेशन है और हमें इस समय में बहुत कुछ शूट करना है।' तब मैं यह समझती हूं और मान जाऊंगी और वैसा करूंगी।

हमें भी 9 से 5 की जॉब की तरह काम करने दें

बातचीत के दौरान रश्मिका ने कहा कि सिनेमा में यह बहुत पहले से होता आया है। यही कारण है कि हमें अपनी टीमों से प्यार है। लेकिन अगर मुझे खुद चुनना होता, तो मैं कहती कि कृपया हम अभिनेताओं को ऐसा करने पर मजबूर न करें, क्योंकि बहुत कुछ चल रहा है। सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि निर्देशक, लाइटमैन, संगीतकार, सभी। जैसा आप जानते हैं कि ऑफिस का समय 9 से 6 या 9 से 5 या 9 से 4 होता है, हमें ऐसा करने दें। क्योंकि अभी भी एक पारिवारिक जीवन है जिस पर मैं ध्यान देना चाहती हूं, अभी भी मेरी नींद बाकी है जो मैं पूरी करना चाहती हूं। मैं अभी भी वर्कआउट करना चाहती हूं, इसलिए, आप जानते हैं, बाद में मुझे इस बात का पछतावा नहीं होगा कि काश मैं छोटी उम्र में स्वस्थ और फिट होती और वर्कआउट करती। मैं अभी भी अपने भविष्य के बारे में सोच रही हूं। लेकिन अभी मेरे पास कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि मैं खुद पर बहुत ज्यादा जिम्मेदारी ले रही हूं।

तलाक की अफवाहों पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

माही विज और जय भानुशाली अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कथित तौर पर दोनों का रिश्ता टूट गया है और कपल का तलाक होने वाला है। यह खबर सामने आने के बाद जय और माही के फैंस आहत हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के तलाक को लेकर तरह-तरह के दावे करते हुए पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए माही विज ने गुस्सा जाहिर किया है। जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों पर माही विज ने चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया गया। इसमें माही विज के हवाले से एक कमेंट लिखा गया, जिसमें कहा गया है, आधिकारिक रूप से पांच मिनट पहले मेरा तलाक हुआ है। मुझे पता है कि कुछ लोग इस पर बधाई देंगे, लेकिन मेरे लिए ऐसे परिदृश्य मायने नहीं रखते। तलाक होना हमेशा दुखद ही होगा। इस पोस्ट पर माही विज ने गुस्सा जाहिर करते हुए हिदायत दी है। माही विज ने कमेंट लिखा है, झूठी बातें पोस्ट मत करिए। मैं इसके खिलाफ लीगल एक्शन लूंगी। अभिनेत्री ने शायद तलाक को लेकर उनकी तरफ से की गई कथित टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। फिलहाल माही के इस कमेंट से उनके फैंस ने राहत की सांस ली है कि शायद तलाक की बात झूठी हो। हालांकि, माही के कमेंट में यह जिक्र नहीं है कि तलाक होगा या नहीं, उन्होंने गलत नैरेटिव फैलाने को लेकर एतराज जताया है।

क्या मुंज्या 2 में लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा की एंट्री?

साल 2024 की सरप्राइज हिट मुंज्या ने छोटे बजट और नए चेहरों के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर बड़ा कमाल दिखाया था। अभय वर्मा और शारवरी वाघ स्टारर इस हॉरर-कॉमेडी ने 100 करोड़ क्लब में जगह बनाकर मैडॉक फिल्म्स यूनिवर्स को नई ऊंचाई दी। अब इसका सीक्वल महा मुंज्या डेवलपमेंट स्टेज में है। हाल ही में खबरें आई थीं कि लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, मुंज्या के डायरेक्टर आदित्य सरपोतदार ने इस खबर को सिरे से खारिज किया।

महा मुंज्या में उनका नाम सिर्फ अफवाह है आदित्य ने कहा, न प्रतिभा ने कुछ कहा है, न उनकी टीम ने और न हमने। इसमें कोई सच्चाई नहीं है, ये बस एक फैन थ्योरी है। शायद लोगों को लगा कि वो इस यूनिवर्स का हिस्सा हैं क्योंकि उन्होंने लापता लेडीज में शानदार काम किया है। मुझे भी जब ये खबर सुनी तो थोड़ा हंसी आई कि ये आया कहां से?

आदित्य ने आगे बात करते हुए कहा, प्रतिभा बहुत टैलेंटेड और शानदार एक्ट्रेस हैं। मैं खुद मानता हूं कि वो इस तरह की फिल्मों में बिल्कुल फिट बैठेंगी। अगर आगे चलकर ऐसा कुछ होता है तो क्यों नहीं? लेकिन फिलहाल ऐसा कुछ नहीं है। न कोई ऑफिशियल बातचीत हुई है, न कोई कन्फर्मेशन आया है। ये सिर्फ सोशल मीडिया की हवा है।

अभय वर्मा और शारवरी वाघ की होगी वापसी

जब आदित्य सरपोतदार से पूछा गया कि क्या सीक्वल में मुंज्या के लीड कलाकार अभय वर्मा और शारवरी वाघ फिर नजर आएंगे तो उन्होंने तुरंत कहा, अभय और शारवरी 100 प्रतिशत लौट रहे हैं। उनके किरदार वहीं से आगे बढ़ेंगे, जहां पहली फिल्म खत्म हुई थी। लेकिन इनके साथ और कौन जुड़ता है, ये अभी बताना जल्दबाजी होगी। जब वक्त आएगा, सब कुछ साफ हो जाएगा।

मुंज्या 2 इसलिए बन रही है क्योंकि ऑडियंस इंटरेस्टेड हैं

सीक्वल पर बात करते हुए आदित्य ने कहा, ये साफ दिखाता है कि लोग इस यूनिवर्स में इंटरेस्टेड हैं और उन्होंने मुंज्या के साथ एक इमोशनल इन्वेस्टमेंट बनाया है। जब हमने पहली फिल्म बनाई थी, तब सीक्वल का कोई प्लान नहीं था। लेकिन फिल्म के हिट होने के बाद भरोसा मिला कि इस कहानी को और आगे बढ़ाया जा सकता है। अगर फिल्म नहीं चलती तो पार्ट टू बनाने का कोई मतलब नहीं होता। लेकिन जब दर्शक खुद पूछने लगें कि आगे क्या होगा, तब समझ आता है कि आपने कुछ सही किया है।

महा मुंज्या का पैमाना और बड़ा होगा

उन्होंने आगे बात करते हुए कहा, अब महा मुंज्या के साथ हम उस यूनिवर्स को और बड़ा करने जा रहे हैं। बहुत सारी प्लानिंग चल रही है, कई एक्साइटिंग चीजें तैयार हो रही हैं। हम चाहते हैं कि ये फिल्म सिर्फ सीक्वल नहीं, बल्कि एक नया एक्सपीरियंस बने। जैसे पहली फिल्म के एंड में हमने एक प्रॉमिस छोड़ा था, वैसे ही अब महा मुंज्या उस प्रॉमिस को पूरा करेगी। कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी जहां मुंज्या खत्म हुई थी, लेकिन इस बार पैमाना और बड़ा होगा, दुनिया और गहरी।

'पद्मावत' की मेहरुनिसा से लेकर 'मर्डर 3' की रोशनी तक, अदिति राव हैदरी ने हर किरदार में बिखेरा अभिनय का जादू

अदिति राव हैदरी भारतीय सिनेमा की उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने अपनी सादगी और अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। अभिनेत्री के जन्मदिन के मौके पर जानेंगे उनकी जबरदस्त फिल्मों के बारे में, जिनके लिए उन्हें पहचाना जाता है। तो चलिए जानते हैं उनकी फिल्में।

मर्डर 3

बॉलीवुड की मशहूर मर्डर फ्रैंचाइजी के तीसरे पार्ट का नाम 'मर्डर 3' है। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है, जिसे विशेष भट्ट द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फल्म में विक्रम (रणदीप हुड्डा) जो एक फोटोग्राफर है, निशा (सारा लोरेन) से एक बार मिलता है और दोनों की तुरंत दोस्ती हो जाती है। जल्द ही वे प्यार में पड़ जाते हैं और अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर ले जाते हैं। निशा उसके घर में रहने आती है, लेकिन जल्द ही उसे उसके राज पता चलने लगते हैं। वह विक्रम की पूर्व प्रेमिका रोशनी (अदिति राव हैदरी) के गायब होने के पीछे छिपे के सच का पता लगाने

दिल्ली 6

राकेश ओमप्रकाश मेहरा के निर्देशन में दिल्ली 6 फिल्म साल 2009 में रिलीज हुई थी। आपक बता दें कि इस फिल्म से अदिति राव हैदरी ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में उनका रोल कम था, लेकिन सभी ने उनके किरदार को खूब सराहा था। फिल्म एक एनआरआई के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बीमार दादी के साथ भारत लौटता है, लेकिन हैरानी की बात है कि वह खुद को दिल्ली के बीचों-बीच एक मंदिर-मस्जिद विवाद में फंसा हुआ पाता है। दिल्ली 6 में अदिति राव हैदरी ने रमा बुआ का किरदार निभाया था। इसमें अभिषेक बच्चन और सोनम कपूर मुख्य भूमिका में थे।

पद्मावत

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित फिल्म पद्मावत में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म अदिति राव हैदरी की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। अदिति हर फ्रेम में एक स्टार की तरह चमकीं। उन्होंने खिलजी की पत्नी मेहरुनिसा का किरदार बखूबी निभाया था। फिल्म में जैसे-जैसे खिलजी रानी पद्मावती के प्रति और अधिक आसक्त होता गया, मेहरुनिसा ने पत्नी से पहले, एक महिला बनना चुना। यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी।

वजीर

फरहान अख्तर, अमिताभ बच्चन और अदिति राव हैदरी जैसे कलाकारों से सजी फिल्म वजीर 2016 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अदिति राव हैदरी ने रुहाना अली की भूमिका निभाई थी और तमाम दिग्गजों के बीच भी अपनी जगह और लाइमलाइट बरकरार रखी। इस फिल्म की कहानी एक पुलिसवाले दानिश के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी की हत्या करने वाले एक आतंकवादी से बदला लेने के मिशन पर है। इसी दौरान उसकी मुलाकात पंडित से होती है, जो अपनी बेटी के लिए शोक मना रहा है।

रॉकस्टार

इम्तियाज अली के निर्देशन में साल 2011 में रॉकस्टार फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, नरगिस फाखरी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं अदिति राव हैदरी ने शीना के रूप में फिल्म अहम किरदार अदा किया था। उनके रोल ने दर्शकों को आकर्षित किया था।

हीरामंडी

अदिति राव हैदरी नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार सीरीज में नजर आई थीं। यह साल 2024 में रिलीज हुई थी, जिसे संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित किया गया था। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है। इसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा और ऋचा चड्ढा जैसे कई सितारे शामिल थे।

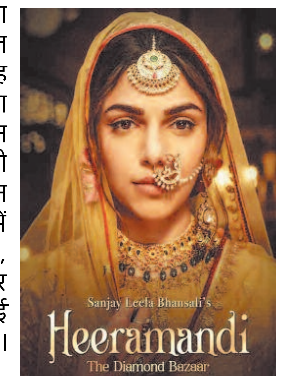

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।